रांची से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

अलग पहचान

सत्य की उड़ान

रांची, शनिवार 15 फरवरी 2025, वर्ष 10, अंक 394 पृष्ठ 8, मूल्य 5/ रुपया

alagpahchan@gmail.com www.alagpahchan.com

महाकुंभ आ रहे छत्तीसगढ़ के 10 श्रद्धालुओं की मौतः प्रयागराज में बोलेरो की बस से टक्कर

प्रयागराज यूपी के प्रयागराज में शुक्रवार रात करीब ढाई बजे बोलेरो की बस से टक्कर हो गई। हादसे में 10 लोगों की मौत हो गई, 19 घायल हैं। जान गंवाने वाले सभी लोग बोलेरो में सवार थे। वे छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले से महाकुंभ आ रहे थे। हादसा प्रयागराज-मिर्जापुर हाईवे पर मेजा इलाके में हुआ। घायल हुए 19 लोग बस में सवार थे, जो कि मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले के रहने वाले हैं। वे संगम स्नान के बाद वाराणसी जा रहे थे। टक्कर इतनी भीषण थी कि बोलेरो बुरी तरह से डैमेज हो गई। श्रद्धालु छिटककर सड़क पर जा गिरे। किसी का हाथ टूटा तो किसी का सिर फट गया। कई लोग बोलेरो में ही फंस गए। शवों को बोलेरो से निकालने में ढाई घंटे का समय लगा।

एसपी यमुनापार विवेक यादव ने बताया- बोलेरो में सभी पुरुष सवार थे। इसकी स्पीड बहुत ज्यादा थी। बस वाले ने ब्रेक लगाया, लेकिन सामने से आ रही बोलेरो बस में सामने से भिड़ गई। मरने वाले कोरबा के दर्री और जांजगीर चांपा जिले के रहने वाले थे। दो परिवार के लोग साथ में आए थे। कमिश्नर तरुण गाबा और डीएम रविंद्र कुमार मांदड़ मौके पर पहुंच गए हैं। घायलों को रामनगर सीएचसी में भर्ती करवाया गया। प्राइमरी इलाज के बाद सभी को स्वरूप रानी हॉस्पिटल रेफर कर दिया गया। वहीं, पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बोलेरो बुरी तरह से डैमेज हो गई। श्रद्धालु छिटककर सड़क पर जा गिरे। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बोलेरो बुरी तरह से डैमेज हो गई। श्रद्धालु छिटककर सड़क पर जा गिरे। हादसे की सूचना मिलते ही कमिश्नर-डीएम मौके पर पहुंच गए। घायलों को रामनगर सीएचसी में भर्ती करवाया गया है। हादसे की सूचना मिलते ही कमिश्नर-डीएम मौके पर पहुंच गए। घायलों को रामनगर सीएचसी में भर्ती करवाया गया है। हादसे के बाद जाम लग गया। जेसीबी से बोलेरो को सड़क किनारे लगाया गया।

हादसे के बाद जाम लग गया। जेसीबी से बोलेरो को सड़क किनारे लगाया गया। बस सवार मध्य प्रदेश के रहने वाले हैं। संगम में स्नान के बाद वाराणसी जा रहे थे। गैस कटर से बोलेरो की बॉडी काटी, तब शव निकल पाए प्रत्यक्षदर्शी ने बताया- टक्कर की आवाज सुनकर हम लोग दौड़कर पहुंचे। देखा कि बोलेरो से शव बुरी तरह फंसे हुए थे। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस गैस कटर और एम्बुलेंस लेकर मौके पर पहुंची। बोलेरो को गैस कटर से काटा गया। तब जाकर शवों को बाहर निकाला गया। कई शव बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए थे। बैग से मिले आधार कार्ड से पुलिस ने दो शवों की पहचान ईश्वरी प्रसाद जायसवाल और सोमनाथ दरी के रूप में की।

हादसे के वक्त बस सवार ज्यादातर लोग सो रहे थे घायल श्रद्धालु रोडमल ने बताया कि हादसे के वक्त बस में सवार ज्यादातर लोग सो रहे थे। अचानक भीषण टक्कर हुई। उस समय मैं जाग रहा था और बस के केबिन में बैठा था। बेकाबू बोलेरो सामने से बस से भिड़ गई। गनीमत रही कि मैं किसी तरह बच गया।

ठग सुकेश ने जैकलीन फर्नांडिस को प्राइवेट जेट गिफ्ट किया: वैलेंटाइन डे पर लेटर भेजा

200 करोड़ की मनी लॉन्ड्रिंग केस में सजा काट रहा ठग सुकेश चंद्रशेखर ने एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडिस को प्राइवेट जेट गिफ्ट किया है। सुकेश ने जैकलीन को वैलेंटाइन डे विश भी किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ये सारी बातें उसने लेटर के जरिए कही।

सुकेश ने क्लेम किया है कि प्राइवेट जेट का नाम जैकलीन के नाम के शुरुआती अक्षरों (JF) पर रखा गया है। साथ ही उसका रजिस्ट्रेशन नंबर जैकलीन के बर्थ मंथ से लिया गया है। यह पूरी तरह कस्टमाइज प्राइवेट जेट है। बता दें, सुकेश कई मौकों पर जैकलीन को लेटर लिख चुका है। वह दावा करता है कि जैकलीन उसके साथ रिलेशनशिप में थीं और दोनों शादी की भी तैयारी में थे। जब जांच एजेंसियों ने सुकेश पर शिकंजा कसा तो जैकलीन भी रडार में आई थीं। उन्होंने सुकेश पर धोखा देने और झूठ बोलने का आरोप लगाया था।

बीजेपी ने लगाए कांग्रेस पर ISI के साथ संबंध के आरोप, गौरव गोगोई बोले- कानूनी कार्रवाई करेंगे

नई दिल्ली: बीजेपी प्रवक्ता अजय आलोक ने कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई को लेकर कई सवाल उठाए। उन्होंने इसे राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला बताते हुए दावा किया कि कांग्रेस पार्टी का संबंध पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के साथ है। बीजेपी ने गोगोई और उनकी पत्नी पर पाकिस्तानी सरकार और जॉर्ज सोरोस की ओपन सोसाइटी से संबंध होने का आरोप लगाया था। वहीं कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने इन आरोपों को झूठे और निराधार बताया है। नई दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए अजय आलोक ने कहा, 'गौरव गोगोई की शादी 2013 में एलिजाबेथ से हुई थी। वह कहीं न कहीं देश के खिलाफ काम करने वालों के साथ काम करती रही हैं। उन्हें 'यूएस एड' से पैसा मिलता था। गौरव गोगोई को वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में नामित किया गया था, इस फोरम को भी 'यूएस एड' से पैसा मिलता है' **'कांग्रेस के आईएसआई के साथ संबंध'** बीजेपी नेता ने कहा कि 2013 में गौरव गोगोई और एलिजाबेथ की शादी के बाद उन्हें टिकट मिला और वह चुनाव जीतकर संसद पहुंचे। उसके बाद गौरव गोगोई को पाक हाई कमिश्नर अब्दुल बासित ने बुलाया और गोगोई बिना सरकार या किसी को बताए मिलने पहुंचे। इन सब बैठकों के बाद गौरव गोगोई ने संसद में कई सवाल उठाए। यह मामला देश की बाह्य और आंतरिक सुरक्षा से जुड़ा हुआ था। सवाल यह है कि गौरव गोगोई की पाक एंबेसी से क्या बात हुई और उन्होंने इसकी जानकारी गृह मंत्रालय को क्यों नहीं दी? **कांग्रेस से पूछे सवाल** बीजेपी प्रवक्ता ने सवालिया लहजे में कहा, "गौरव गोगोई ने विदेशी नागरिक से शादी की, लेकिन उन्होंने आज तक भारत की नागरिकता क्यों नहीं ली? क्या गौरव गोगोई ने स्ट्रेटेजिक मैरिज की है? इस पर कांग्रेस को सफाई देनी होगी। सोनिया गांधी भी 15 साल तक इटली की नागरिक रही हैं।

फ्रांस और अमेरिका यात्रा से स्वदेश लौटें पीएम मोदी...अब तय होगा दिल्ली का नया सीएम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी फ्रांस और अमेरिका की यात्रा पूरी करके दिल्ली लौटे। उनकी वापसी के साथ दिल्ली के नए मुख्यमंत्री के चयन की तैयारी तेज हो गई है। नई सरकार का गठन 19-20 फरवरी तक हो सकता है, जिसमें स्वच्छ पेयजल आपूर्ति और नागरिक बुनियादी ढांचे को प्राथमिकता दी जाएगी।

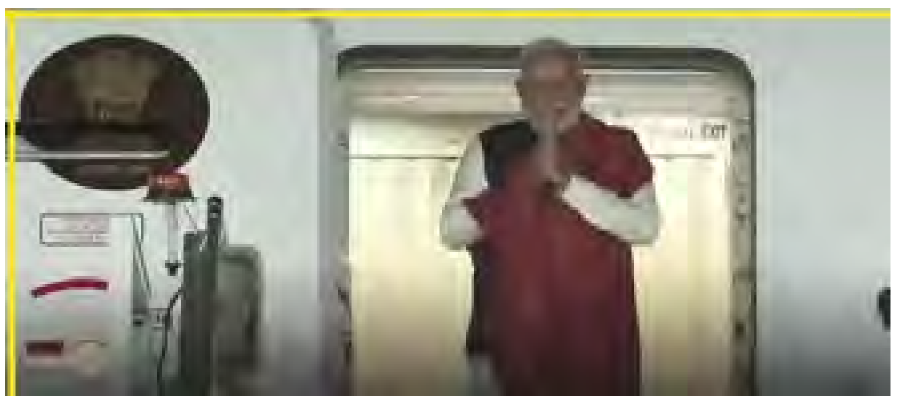

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी फ्रांस और अमेरिका की अपनी दो देशों की यात्रा पूरी करने के बाद दिल्ली के पालम हवाई अड्डे पर पहुंचे। अपनी यात्रा के दौरान पीएम मोदी ने फ्रांस और अमेरिका में एआई शिखर सम्मेलन की सह-अध्यक्षता की। इसके साथ ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात भी की। पीएम के वापस लौटने के साथ ही दिल्ली के नए सीएम को लेकर कवायद शुरू हो गई है।

अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ कई मुद्दों पर हुई बातचीत प्रधानमंत्री दो दिवसीय यात्रा पर अमेरिका पहुंचे थे। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात की। ट्रंप के दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति बनने के बाद पीएम मोदी के साथ यह पहली मुलाकात थी। अमेरिकी राष्ट्रपति ने मोदी की काफी प्रशंसा की और कई मुद्दों पर भारत के रुख को गंभीरता से समझने की कोशिश की। मोदी के साथ संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में ट्रंप ने न केवल यह घोषणा की कि उनके प्रशासन ने 2008 के मुंबई आतंकवादी हमलों के आरोपी तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण को मंजूरी दे दी है बल्कि कट्टरपंथी इस्लामी आतंकवाद से भारत के साथ मिलकर लड़ने की भी बात कही। इससे पहले पीएम मोदी फ्रांस के दौरे पर पहुंचे थे। **दिल्ली के नए सीएम पर फैसला जल्द**

पीएम मोदी के स्वदेश वापस आने के बाद दिल्ली में नई सरकार के गठन की कवायद तेज हो गई है। माना जा रहा है कि एक-दो दिन में दिल्ली के नए मुख्यमंत्री का चयन हो जाएगा। वहीं दिल्ली में बीजेपी सरकार का शपथ ग्रहण समारोह 19 या 20 फरवरी को होने की संभावना है और नयी सरकार अन्य चीजों के अलावा स्वच्छ पेयजल आपूर्ति, बेहतर नागरिक बुनियादी ढांचे को प्राथमिकता देगी।

संक्षिप्त खबर

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू रांची पहुंची, राज्यपाल- कृषि मंत्री ने किया स्वागत

रांची : धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की पावन भूमि झारखंड आगमन पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का बिरसा मुंडा हवाई अड्डा, रांची परिसर में स्वागत एवं अभिनंदन राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार एवं कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने किया। इन्होंने गुलदस्ता देकर राष्ट्रपति का अभिनंदन किया।

मणिपुर में मैतेई राष्ट्रपति शासन के खिलाफ, कुकी का समर्थनः भाजपा अध्यक्ष बोलीं- विधानसभा भंग नहीं सस्पेंड है, हालात देखकर फैसला होगा

इंफाल 21 महीने से जातीय हिंसा से प्रभावित मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू करने के फैसले का मैतेई समुदाय ने विरोध किया है। वहीं कुकी समुदाय के लोग केंद्र सरकार के फैसले से खुश हैं। मैतेई समुदाय का कहना है कि एन बीरेन सिंह के इस्तीफे के बाद राज्य में जल्द किसी सक्षम व्यक्ति को मुख्यमंत्री बनाना चाहिए। राष्ट्रपति शासन लागू करने का फैसला ठीक नहीं है। कुकी समुदाय की संस्था ITLF ने कहा कि राष्ट्रपति शासन लगाने का फैसला सही है। CM बदलने से कुछ नहीं होता। फोरम कुकी समुदाय के लिए अलग प्रशासन की भी मांग कर रहा है। वहीं, मणिपुर भाजपा अध्यक्ष शारदा देवी ने कहा कि, 'विधानसभा अभी भी निलंबित अवस्था में है। कुछ समय बाद हालात को देखते हुए सदन चलाने पर विचार हो सकता है।' केंद्र सरकार ने राज्य में 13 फरवरी को राष्ट्रपति शासन लगाया था। यह फैसला मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के इस्तीफे के 4 दिन बाद लिया गया। सिंह ने 9 फरवरी को गवर्नर को इस्तीफा सौंपा था। **पात्रा ने कहा- राज्य में शांति बनी रहेगी** भाजपा सांसद और पार्टी की नॉर्थ-ईस्ट इकाई के प्रभारी संबित पात्रा ने शुक्रवार को कहा कि राष्ट्रपति शासन लागू होने के बाद भी राज्य में शांति रहेगी और इससे कोई समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मणिपुर में हो रही अवैध घुसपैठ से सख्ती से निपटा जाएगा। पात्रा ने कहा कि मणिपुर के राज्यपाल की रिपोर्ट के बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राज्य विधानसभा को सस्पेंड कर दिया है। अब परिस्थितियों के अनुसार राष्ट्रपति जब चाहें इसे बहाल कर सकती हैं। जहां तक भाजपा का सवाल है, हम राज्य में शांति बनाए रखने की कोशिश करेंगे और मणिपुर की क्षेत्रीय अखंडता को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने पूजा खेडकर की गिरफ्तारी पर रोक बढ़ाईः UPSC परीक्षा में धोखाधड़ी का आरोप

नई दिल्ली सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को पूर्व ट्रेनी IAS पूजा खेडकर की गिरफ्तारी पर लगी रोक 17 मार्च तक बढ़ा दी। कोर्ट ने 15 जनवरी को हुई पिछली सुनवाई में गिरफ्तारी पर रोक लगाई थी।

जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने खेडकर को जांच में सहयोग करने का निर्देश दिया है। मामले की अगली सुनवाई 18 मार्च को होगी। खेडकर की ओर से पेश वरिष्ठ वकील सिद्धार्थ लूथरा ने कोर्ट में बताया कि हमलोग जांच में सहयोग कर रही हैं लेकिन पुलिस ने उन्हें पूछताछ के लिए नहीं बुलाया है। सुप्रीम कोर्ट ने पूजा की अग्रिम जमानत अर्जी पर जवाब देने के लिए दिल्ली पुलिस को दिया गया समय भी बढ़ा दिया है। दिल्ली हाईकोर्ट ने पूजा की जमानत अर्जी खारिज कर दी थी। पूजा खेडकर पर संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) परीक्षा पास करने के लिए अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC) और दिव्यांगता कोटे से आरक्षण लेने के लिए धोखाधड़ी करने का आरोप है। पिछली सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली हाईकोर्ट का 23 दिसंबर 2024 का आदेश पलट दिया था। पूजा की ओर से पेश वरिष्ठ वकील सिद्धार्थ लूथरा ने कहा था कि हाईकोर्ट के आदेश में कुछ ऐसी टिप्पणी हैं जो ट्रायल शुरू होने पर पूजा के खिलाफ प्रयोग हो सकते हैं।

AAP नेता सत्येंद्र जैन गिरफ्तार हो सकते हैं:गृह मंत्रालय ने राष्ट्रपति से केस चलाने की परमिशन मांगी, मनी लॉन्ड्रिंग का मामला

नई दिल्ली केंद्रीय गृह मंत्रालय ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में AAP नेता सत्येंद्र जैन के खिलाफ केस चलाने के लिए राष्ट्रपति से परमिशन मांगी है। दिल्ली के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री जैन के खिलाफ BNS की धारा 218 के तहत मंजूरी मांगी गई है। ED और गृह मंत्रालय का यह कदम सत्येंद्र जैन खिलाफ चल रही कानूनी कार्रवाई का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जा रहा है। अगर राष्ट्रपति से मंजूरी मिलती है तो उनके खिलाफ कानूनी प्रक्रिया आगे बढ़ेगी और जैन को गिरफ्तार भी किया जा सकता है। मंत्रालय ने प्रवर्तन निदेशालय (ED) की जांच और पर्याप्त सबूत होने के आधार पर यह अनुरोध किया है। जांच एजेंसी CBI ने कथित हवाला लेनदेन से जुड़े मनी-लॉन्ड्रिंग मामले में जैन पर 2017 में मामला दर्ज किया था और ED ने जांच शुरू की थी। 30 मई 2022 में उन्हें गिरफ्तार किया गया था। करीब 18 महीने जेल में रहने के बाद उन्हें अक्टूबर 2024 में जमानत मिली। तभी से वे बाहर हैं। ED ने उनके खिलाफ आरोप पत्र दायर किया है। 18 अक्टूबर को तिहाड़ से बाहर आने के बाद सत्येंद्र जैन ने पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया था।

क्या है पूरा मामला पूर्व मंत्री जैन पर आरोप है कि उन्होंने 2015 से 2017 के बीच कई लोगों के नाम पर चल संपत्तियां खरीदी गईं। बाद में ED ने प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (PMLA) के तहत भी मामला दर्ज किया।

जैन पर आरोप है कि उनके मालिकाना हक वाली कई कंपनियों ने हवाला के माध्यम से कोलकाता स्थित एंट्री ऑपरेटरों को कैश ट्रांसफर के बदले शेल कंपनियों से 4.81 करोड़ रुपए प्राप्त किए।

कांग्रेस में शुरू हुआ नियुक्तियों का दौर, जानिए किस नेता को मिली क्या जिम्मेदारी

नई दिल्ली: कुछ और से पहले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने संगठन में जी बदलाव का जिक्र शुरू किया था, उस पर पार्टी ने अब अमल करना शुरू कर दिया। हरियाणा और महाराष्ट्र के हार के बाद समझा जा रहा था कि कांग्रेस में पैमाने पर फेरबदल होगा, संगठन के भीतर जी सर्जरी की जरूरत महसूस की जा रही थी, पार्टी ने बड़े स्तर पर उसे सर्जरी की शुरुआत कर दी। गुरुवार के बाद लगातार शुक्रवार को देर शाम कांग्रेस ने अपने तमाम राज्यों के प्रभारी में बदलाव किया। इनमें जहां कुछ प्रभारी के प्रभार बदले गए तो वहीं कुछ को प्रभार मुक्त करके नए लोगों को जिम्मेदारी दी गई। **भूपेश बघेल को मिली पंजाब की जिम्मेदारी** छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम भूपेश बघेल को पंजाब की जिम्मेदारी सौंप गई है। दिल्ली में आप को सत्ता से बाहर करने के बाद अब बीजेपी और कांग्रेस की निगाहें पंजाब में लगी हुई हैं। दो साल बाद पंजाब में चुनाव होने हैं, जहां कांग्रेस की बड़ी उम्मीदें लगी हुई है। इसके मद्देनजर पार्टी ने संगठन में अनुभवी भूपेश बघेल को पंजाब की जिम्मेदारी सौंपी है। दूसरी और सभा सांसद नासिर हुसैन को जम्मू कश्मीर और लद्दाख का प्रभार दिया गया है। हुसैन अभी तक कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे के क्लोज टीम में काम कर रहे थे। दूसरी ओर पार्टी ने राज्यसभा सांसद रजनी पटेल पर एक बार फिर भरोसा जताया है।

आर्ट ऑफ लिविंग का आयोजनः 'जस्ट बी' थीम पर राष्ट्रपति मुर्मू ने किया 10वें महिला सम्मेलन का उद्घाटन

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 14 फरवरी को अंतरराष्ट्रीय महिला सम्मेलन के 10वें संस्करण के उद्घाटन सत्र का शुभारंभ किया। उन्होंने 50 देशों की 500 से अधिक प्रतिनिधियों को प्रेरित करते हुए कहा हर महिला को अपने भीतर की शक्ति, गुण और प्रतिभाओं को पहचानना चाहिए। ताकि समाज में सकारात्मक प्रभाव डाल सकें। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा, "गुरुदेव श्रीश्री रवि शंकर और आर्ट ऑफ लिविंग ने दुनिया भर के लोगों को ध्यान और मानवीय सेवाओं के माध्यम से आंतरिक शांति पाने के लिए प्रेरित किया है। आज की इस प्रतिस्पर्धात्मक दुनिया में हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हमारे मानवीय मूल्य बरकरार रहें। यहीं पर महिलाओं की भूमिका महत्त्वपूर्ण हो जाती है क्योंकि वे करुणा और दयालुता के साथ नेतृत्व करती हैं। राष्ट्रपति ने मानसिक स्वास्थ्य पर काम करने की आवश्यकता पर कहा, "सभी को अपनी बात रखने और अभिव्यक्त करने के लिए एक सुरक्षित वातावरण और समर्थन प्रणाली बना कर ही आप इस विषय पर चुप्पी तोड़ सकते हैं । मानसिक शक्ति के बिना बाधाओं और रूढ़ियों को तोड़ना संभव नहीं है।" "विशेष रूप से 'जस्ट बी' थीम पर आधारित इस सम्मेलन ने जीवन की चुनौतियों का सामना करने और दुनिया में सार्थक बदलाव लाने के लिए सजग रूप से ठहराव, संतुलन, आत्म-स्वीकृति और लचीलेपन को अपनाने की अपील की।"

श्री श्री रविशंकर बोले- महिला की आंख से आंसू नहीं गिरने दे सकते

अंतरराष्ट्रीय महिला सम्मेलन के प्रेरणास्त्रोत, वैश्विक मानवतावादी और आध्यात्मिक गुरु गुरुदेव श्री श्री रवि शंकर ने कहा, "हम किसी भी महिला की आंखों से एक भी आंसू नहीं गिरने दे सकते।" उन्होंने कहा कि एक सकारात्मक वातावरण से प्रगति होती है, और एक महिला की उपस्थिति से ही वातावरण खुशहाल और सकारात्मक हो जाता है। उन्होंने कहा, "महिलाओं की भावनाएं आशीर्वाद हैं क्योंकि यह भावनात्मक शक्ति ही है जो उन्हें लोगों को एकजुट करने की क्षमता देती है। शायद अगर महिलाएं दुनिया के प्रमुख देशों में नेतृत्व की भूमिका निभाएं, तो जो संघर्ष, विवाद, युद्ध और विभिन्न सामाजिक विकृतियाँ हम आज देखते हैं, वे कम हो सकती हैं या यहां तक कि समाप्त हो सकती हैं।" गुरुदेव ने यह भी कहा, "भारत ने दिखाया है कि महिलाओं को सशक्तिकरण की कितनी आवश्यकता है और यह बहुत प्रगतिशील है। यहां पुरानी कथाओं के अनुसार सभी मुख्य मंत्रालयों का प्रभार महिलाओं को ही सौंपा गया हैं, जैसे रक्षा मंत्रालय- दुर्गा, वित्त मंत्रालय - लक्ष्मी और शिक्षा मंत्रालय - सरस्वती सम्भालती हैं ।

कांग्रेस कोटे के मंत्रियों के कामकाज का होगा सोशल ऑडिट, खराब प्रदर्शन होने पर हो सकते हैं

[प्रसंगवश - मिर्ज़ा ग़ालिब पुण्यतिथिः 15 फरवरी]

ग़ालिबः शायरी का सूरज, जो कभी नहीं ढला

मिर्ज़ा ग़ालिब (मिर्ज़ा असदुल्लाह बेग खान)—एक ऐसा नाम, जो उर्दू शायरी की रूह में समाया हुआ है। वे केवल एक शायर नहीं, बल्कि एक युग, एक विचारधारा और एक अद्वितीय क्रांति थे, जिन्होंने उर्दू और फ़ारसी साहित्य को ऐसे शिखर पर पहुँचा दिया, जहाँ तक पहुँचने की कल्पना भर करना भी अधिकांश शायरों के लिए एक असंभव स्वप्न जैसा है। 15 फरवरी 1869 को यह अज़ीम सितारा इस फानी दुनिया से रुख़सत हो गया, मगर उनके लफ़्ज़ों की चमक आज भी दिलों में वही उजाला भरती है। उनकी शायरी सिर्फ़ अल्फ़ाज़ की जादूगरी नहीं थी, बल्कि वह जीवन का दर्पण थी, जिसमें मोहब्बत की मासूमियत, दर्द की गहराई, तक़दीर की सख़्ती, बग़ावत की आग और दर्शन की बेमिसाल ऊँचाइयाँ समाई हुई थीं।

ग़ालिब की शायरी की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि वह महज़ इश्क़ की हदों तक सीमित नहीं थी, बल्कि उसमें इंसानी जज़्बातों की गहराई, तन्हाई की चुभन, तक़दीर से बग़ावत, खुदा से सवाल और ज़िंदगी की कठोर सच्चाइयों की गूंज भी थी। उनकी ग़ज़लों में मोहब्बत की बेपनाह शिद्दत थी, तो जुदाई की क़हर बनकर टूटने वाली पीड़ा भी। उनके अल्फ़ाज़ों में वह आग थी, जो दिलों को झकझोर देती थी, सोचने पर मजबूर कर देती थी। उनका हर शेर सिर्फ़ अल्फ़ाज़ों का खेल नहीं, बल्कि ज़िंदगी की सुलझी-अनसुलझी पहेलियों को ऐसा बयान करता है कि पढ़ने वाला सहसा ठिठक जाता है—क्या यह सिर्फ़ शायरी है, या उसकी अपनी ही अधूरी दास्तान का आईना?

रगों में दौड़ते फिरने के हम नहीं क़ायल, जब आँख ही से न टपका तो फिर लहू क्या है?

ग़ालिब का जीवन भी उनकी शायरी की तरह जटिल, गूढ़ और दर्द से तराशा हुआ था। बचपन में ही माता-पिता का साया उठ गया, और निष्ठुर हालात ने उन्हें वक्त से पहले ही परिपक्व बना दिया। मुफ़लिसी और तंगहाली की कड़वी मार उन्होंने ताउम्र झेली, मगर उनकी रूह कभी टूटी नहीं। उन्होंने अपने दर्द को कमजोरी नहीं बनने दिया, बल्कि उसे अपनी क़लम की धार बना दिया। यही कारण है कि उनकी शायरी महज़ लफ़्ज़ों की बाज़ीगरी नहीं, बल्कि हर उस टूटे हुए इंसान के दिल का सच्चा मरहम है, जो ज़िंदगी के थपेड़ों से जूझ रहा हो।

ग़ालिब ने उस दौर की शायरी को एक नई दिशा दी, जब उर्दू अदब महज़ इश्क़ और हुस्न की वादियों में भटक रहा था। उन्होंने अपने अशआरों में ऐसी बेमिसाल गहराई और दार्शनिक ऊँचाई भरी, जिसे समझने के लिए केवल भाषा का ज्ञान काफ़ी नहीं था, बल्कि एक संवेदनशील हृदय और चिन्तनशील मस्तिष्क भी आवश्यक था। उन्होंने तक़दीर को ललकारा, खुदा से सवाल किए और मोहब्बत को एक नई परिभाषा दी, जो केवल पाने तक सीमित नहीं थी, बल्कि खोकर भी अमर रहने की जुस्तजू थी।

बाज़ीचा-ए-अत्फ़ाल है दुनिया मेरे आगे, होता है शबो-रोज़ तमाशा मेरे आगे।

ग़ालिब की रचनाएँ सिर्फ़ ग़ज़लों की सीमा में बंधी हुई नहीं थीं, बल्कि उनके लिखे ख़त भी उर्दू अदब की बेमिसाल विरासत हैं। उनके ख़तों में महज़ औपचारिक संवाद नहीं, बल्कि एक बेचैन शायर का दर्द, एक असहाय इंसान की बेबसी, एक बाग़ी की तल्ख़ी और एक दार्शनिक की गूढ़ सोच समाई हुई थी। उनकी बातों की सहजता और भावनात्मक गहराई ने उर्दू साहित्य को नई दिशा दी, जहाँ ख़त सिर्फ़ संदेश नहीं, बल्कि आत्मा की अभिव्यक्ति बन गए। उनकी हर लिखित पंक्ति एक अलग दुनिया को उजागर करती थी, जहाँ शब्द भावनाओं से लबरेज़ होकर बोलते थे।

ग़ालिब अपने समय से कहीं आगे की सोच रखते थे, लेकिन अफ़सोस कि उन्हें अपने दौर में वह पहचान नहीं मिली, जिसके वह असल हक़दार थे। उनका अंदाज़ उस समय के पारंपरिक शायरों से अलग था, उनकी सोच अधिक व्यापक और विद्रोही थी, इसलिए समकालीन आलोचकों ने उन्हें समझने के बजाय नकारने की कोशिश की। मगर वक़्त की कसौटी पर सच्ची कला कभी फीकी नहीं पड़ती। आने वाली पीढ़ियों ने उनकी शायरी की क़द्र की, उन्हें सिर-आँखों पर बिठाया। आज जब कोई इश्क़ में डूबता है, तक़दीर से टकराता है या खुदा से शिकवा करता है, तो ग़ालिब के अशआर अनायास उसकी ज़ुबान पर आ जाते हैं, जैसे सदियों से उस दर्द के लिए लिखे गए हों।

यह न थी हमारी क़िस्मत कि विसाल-ए-यार होता, अगर और जीते रहते यही इंतज़ार होता। आज जब उनकी पुण्यतिथि पर उन्हें स्मरण किया जाता है, तो यह महज़ एक औपचारिकता नहीं होती, बल्कि आत्ममंथन का एक अनमोल अवसर होता है। यह उनकी शायरी की गहराइयों में उतरकर खुद को खोजने, अपने एहसासों को टटोलने और दुनिया को देखने के एक नए दृष्टिकोण को अपनाने का क्षण होता है। ग़ालिब को पढ़ना सिर्फ़ लफ़्ज़ों से गुज़रना नहीं, बल्कि अपनी भावनाओं, अपने संघर्षों और अपनी जिज्ञासाओं को एक नई रोशनी में देखने जैसा है।

ग़ालिब महज़ एक नाम नहीं, बल्कि एक अज़ीम एहसास हैं, जो हर तन्हा दिल की धड़कनों में, हर ख़ामोश आँसू की नमी में और हर बग़ावती सोच के सवालों में अब तक ज़िंदा हैं। उनकी शायरी ने वक़्त की सरहदों को पार कर हर दौर में अपनी अहमियत बनाए रखी है। वे उर्दू अदब के आकाश पर ऐसा दैदीप्यमान सितारा हैं, जिसकी रोशनी कभी मद्धम नहीं हो सकती। उनकी पुण्यतिथि पर उन्हें सादर नमन, जिन्होंने शब्दों को ऐसा जादू बख़्शा, जो युगों-युगों तक इंसानी जज़्बातों को रोशन करता रहेगा।

मोहब्बत में नहीं है फ़र्क़ जीने और मरने का उसी को देख कर जीते हैं जिस काफ़िर पे दम निकले

प्रो. आरके जैन "अरिजीत", बड़वानी (मप्र)

रांची।के राजू बने झारखंड कांग्रेस के प्रभारी, गुलाम अहमद मीर की लेंगे जगह ।.

श्रीमती द्रौपदी मुर्मु के बीआईटी मेसरा में Platinum Jubilee कार्यक्रम को लेकर, पुलिस पदाधिकारियों एवं जिला क़े वरीय पदाधिकारियों की संयुक्त बैठक

रांची। माननीया राष्ट्रपति भारत, श्रीमती द्रौपदी मुर्मु के कल दिनांक 15 फरवरी 2025 को बीआईटी मेसरा के जी.पी. बिरला ऑडिटोरियम में Platinum Jubilee Year Celebration (2024-2025) कार्यक्रम को लेकर, कार्यक्रम स्थल पर पुलिस पदाधिकारियों एवं जिला क़े वरीय पदाधिकारियों की संयुक्त बैठक किया गया। जो जिला दण्डाधिकारी सह उपायुक्त, रांची मंजूनाथ भजन्त्री की अध्यक्षता में बैठक हुआ। कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण करते हुए तमाम व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए सम्बंधित पदाधिकारियों को कई आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए कार्यक्रम क़े दौरान सुरक्षा क़े पुख्ता इंतजाम रहेंगे।

माननीया राष्ट्रपति भारत, श्रीमती द्रौपदी मुर्मु के कल दिनांक 15 फरवरी 2025 को बीआईटी मेसरा के जी.पी. बिरला ऑडिटोरियम में Platinum Jubilee Year Celebration (2024-2025) कार्यक्रम को लेकर, कार्यक्रम स्थल पर पुलिस पदाधिकारियों एवं जिला क़े वरीय पदाधिकारियों की संयुक्त बैठक करते हुए उन्हें कार्यक्रम को लेकर कई अहम दिशा-निर्देश दिए गए।

उपायुक्त द्वारा कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण करते हुए तमाम व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए सम्बंधित पदाधिकारियों को कई आवश्यक दिशा-निर्देश दिया।

कार्यक्रम क़े दौरान सुरक्षा क़े पुख्ता इंतजाम रहेंगे कल माननीया राष्ट्रपति भारत, श्रीमती द्रौपदी मुर्मु के कार्यक्रम क़े दौरान सुरक्षा क़े पुख्ता इंतजाम रहेंगे, सभी को सुरक्षा जाँच होने क़े उपरांत ही ऑडिटोरियम में प्रवेश की अनुमति होगी। उपायुक्त ने सभी सम्बंधित पदाधिकारियों को सभी मानकों का सुनिश्चित रूप से पालन करने क़े निर्देश दिए गए।

इस बैठक में जिला क़े सभी वरीय पदाधिकारियों, पुलिस पदाधिकारी एवं सम्बंधित सभी पदाधिकारी उपस्थित थे।

रांची में कबाड़ की दुकान में भीषण आग, लाखों का नुकसान

रांची : राजधानी रांची के कोतवाली थाना क्षेत्र के छोटा तालाब के पास स्थित एक कबाड़ की दुकान में गुरुवार देर रात भीषण आग लग गई। आग इतनी तेज थी कि देखते ही देखते पूरी दुकान जलकर राख हो गई। सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग बुझाने में जुट गई।

3 मंजिला इमारत भी चपेट में आई आग की लपटें इतनी तेज थीं कि पास की तीन मंजिला इमारत को भी नुकसान हुआ। आसपास के दुकानदार अपनी दुकानों को बचाने के लिए पानी डालने लगे, लेकिन आग तेजी से फैलती रही। आग की वजह से पूरे इलाके में धुआं भर गया और अफरा-तफरी मच गई।

दमकल की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद पाया काबू फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर पहुंची और करीब 2 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर आंशिक रूप से काबू पाया। दमकल कर्मियों के मुताबिक, पूरी तरह से आग बुझाने में अभी और समय लगेगा। वहीं कबाड़ी दुकान के मालिक निजाम का कहना है कि आग कैसे लगी, इसका पता नहीं चला, लेकिन इसमें लाखों का सामान जलकर खाक हो गया। पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर मौजूद हैं और आग लगने के कारणों की जांच कर रही हैं।

हिंदपीढ़ी की युवतियों को भगाने के आरोप में गिरफ्तार 4 युवकों को मिली जमानत

रांची : हिंदपीढ़ी की 2 युवतियों को भगाने के आरोप में कर्नाटक से गिरफ्तार इस्माइल, जुनैद, काशिद और इमरान को रांची सिविल कोर्ट से जमानत मिल गई है। प्रधान न्यायायुक्त की अदालत ने 20 हजार रुपये के निजी मुचलके पर चारों आरोपियों को जमानत दी। अभियोजन पक्ष की दलीलों को दरकिनार करते हुए कोर्ट ने यह फैसला सुनाया।

पुलिस जांच में सामने आए कई खुलासे

इस मामले में रांची पुलिस ने हिंदपीढ़ी से लापता लड़कियों को कर्नाटक से बरामद किया था। इसके बाद चारों युवकों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने कई अहम खुलासे किए। पुलिस के मुताबिक, आधार कार्ड में एआई की मदद से छेड़छाड़ कर किराए पर घर लिया गया था। युवतियों ने पहचान छुपाने के लिए अपने पिता के नाम में बदलाव कर दिया था।

युवतियों ने खुद घर छोड़ा, फिर अपहरण की झूठी कहानी बनाई पुलिस को दिए गए बयान के अनुसार, अमरीना और रहनुमा खुद कांटाटोली पहुंची, जहां से मजहर उन्हें रामगढ़ तक छोड़कर आया। इसके बाद जुनैद और इस्माइल दोनों को लेकर ट्रेन से कर्नाटक चले गए। रास्ते में युवतियों ने अपने पिता को फोन कर अपहरण की झूठी कहानी बताई और अपना मोबाइल तोड़ दिया, ताकि उनकी लोकेशन ट्रेस न हो सके। जांच में सामने आया कि अमरीना और रहनुमा की पहचान जुनैद और इस्माइल से फेसबुक पर हुई थी। 5 साल से उनका मिलना-जुलना जारी था। लड़कों ने युवतियों के परिवार से शादी का प्रस्ताव भी रखा था, लेकिन परिवार ने इनकार कर दिया। इसके बाद युवतियों ने भागने का फैसला किया।

मामला रहा था चर्चा में, सरकार के मंत्री भी पहुंचे थे घर. इस मामले में हिंदपीढ़ी थाना में केस (कांड संख्या 2/2025) दर्ज किया गया था। युवतियों के गायब होने के बाद मामला काफी चर्चा में आ गया था। राज्य सरकार के एक मंत्री भी युवतियों के घर पहुंचे थे। इसके बाद पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए कर्नाटक से लड़कियों को बरामद किया और चार युवकों को गिरफ्तार किया। अब कोर्ट ने चारों को जमानत दे दी है।

करोड़ों की ठगी का सरगना कोलकाता से अरेस्ट

दुर्गापुर। निजी मेडिकल कॉलेज में दाखिला एवं पेट्रोल पंप का लाइसेंस दिलाने के नाम पर अलग-अलग लोगों से करोड़ों रुपये की ठगी के मामले में दुर्गापुर थाने की पुलिस ने मुख्य आरोपी को कोलकाता के पंचशायर थाना क्षेत्र के नयाबाद इलाके से दबोच लिया। उसका नाम अर्णव दास बर्मन(46) बताया गया है। गुरुवार को दुर्गापुर महकमा अदालत में पेश करने पर आरोपी को छह दिनों की पुलिस रिमांड में लॉकअप भेज दिया गया।

निजी मेडिकल कॉलेज में दाखिला एवं पेट्रोल पंप का लाइसेंस दिलाने के नाम पर अलग-अलग लोगों से करोड़ों रुपये की ठगी के मामले में दुर्गापुर थाने की पुलिस ने मुख्य आरोपी को कोलकाता के पंचशायर थाना क्षेत्र के नयाबाद इलाके से दबोच लिया. उसका नाम अर्णव दास बर्मन(46) बताया गया है। गुरुवार को दुर्गापुर महकमा अदालत में पेश करने पर आरोपी को छह दिनों की पुलिस रिमांड में लॉकअप भेज दिया गया। आरोपी कोलकाता के पंचशायर थाना क्षेत्र के नयाबाद इलाके का बाशिंदा है. उसके खिलाफ बीते वर्ष आठ मार्च को आइपीसी की धारा 420/406/323/34 के तहत मामला दर्ज किया गया था. सूत्रों की मानें, तो अर्णव दास बर्मन पेशेवर जालसाज है। उस पर दुर्गापुर में दो अलग-अलग धोखाधड़ी के मामले दर्ज किये गये हैं. पहला मामला दुर्गापुर के एक छात्र को कोलकाता के नामी निजी मेडिकल कॉलेज में दाखिला दिलाने के नाम पर 78 लाख रुपये हड़पने और दूसरा मामला दुर्गापुर के एक व्यापारी से पेट्रोल पंप का लाइसेंस दिलाने के बहाने एक करोड़ रुपये ठगने से जुड़ा है।मिली जानकारी के मुताबिक अर्णव दास बर्मन ने बीते वर्ष दुर्गापुर के स्टील टाउनशिप के रहनेवाले एक दंपती के बेटे को कोलकाता के निजी मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में दाखिला दिलाने का वादा किया था। उसके बदले में अर्णव ने उक्त युवक के पिता से बैंक के जरिए 78 लाख रुपये ले लिये थे. काफी समय बीत जाने के बाद भी मेडिकल कॉलेज में दाखिला नहीं मिला और आरोपी से संपर्क में नहीं हो पा रहा था. तब दंपती को अपने ठगाने का आभास हुआ. फिर दंपती ने गत वर्ष आठ मार्च को दुर्गापुर थाने में आरोपी अर्णव दास बर्मन के खिलाफ धोखाधड़ी की शिकायत की. उसके आधार पर केस दर्ज कर पुलिस तफ्तीश में लग गयी. इस क्रम में पुलिस को यह भी पता चला कि इसी आरोपी ने दुर्गापुर के एक व्यापारी से पेट्रोल पंप का लाइसेंस दिलाने के नाम पर एक करोड़ रुपये की ठगी की है. इसकी भी पीड़ित ने थाने में शिकायत कर रखी है. मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस गहन पड़ताल में लग गयी,। ठगी के दोनों ही मामलों में रुपयों का भुगतान बैंक के जरिये किया गया था।इसके बूते पुलिस, आरोपी की तलाश में लग गयी। अर्णव दास बर्मन के मोबाइल फोन का टावर लोकेट करते हुए पुलिस ने तीन बार संभावित ठिकाने पर दबिश दी, पर हर बार पुलिस को चकमा देकर शातिर फरार हो जा रहा था. उसके बाद धोखाधड़ी के मामले की जांच दुर्गापुर के पुलिस अधिकारी(एएसआइ) नजमुल हुड्डा को सौंपी गयी थी। तफ्तीश के क्रम में पुलिस को पता चला कि जालसाजी का मुख्य आरोपी कोलकाता में छिपा हुआ है। फिर दुर्गापुर थाने की पुलिस टीम कोलकाता पहुंची और छह दिनों तक सघन तलाशी अभियान चलाया. इस क्रम में बुधवार रात कोलकाता के पंचशायर थाना क्षेत्र की बहुमंजिला इमारत के एक फ्लैट में पुलिस टीम ने छापेमारी करके अर्णव दास बर्मन को दबोच लिया। थाना प्रभारी ने बताया कि मुख्य आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी के कई मामले विभिन्न थानों में पहले से दर्ज हैं.

पारस हॉस्पिटल में 16 एवं 23 फरवरी को लगेगा निःशुल्क कैंसर जांच मेगा

रांचीः विश्व कैंसर दिवस पर पारस हॉस्पिटल, एचइसी में निःशुल्क कैंसर जांच मेगा कैंप का आयोजन 16 एवं 23 फरवरी को किया जा रहा है। कैंप सुबह 10 बजे से दोपहर तीन बजे तक लगेगा। कैंप में कैंसर विशेषज्ञों से निःशुल्क परामर्श मिलेगा। सामान्य स्वास्थ्य जांच जैसे ब्लड शुगर आदि की जांच भी निःशुल्क होगा। स्वास्थ्य पैकेज पर भी विशेष छूट दिया जायेगा। इस कैंप में डॉक्टरों की अनुशंसा पर कैंसर जांच पर 50 प्रतिशत की छूट भी दी जायेगी। यह जानकारी पारस हॉस्पिटल एचईसी के डॉ गुंजेश कुमार सिंह, डॉ मदन प्रसाद गुप्ता, डॉ सुरेश मुथूस्वामी, जोनल हेड श्रीकांत सुबुद्धि और मार्केटिंग हेड मानस लाभ ने शुक्रवार को पारस हॉस्पिटल में आयोजित प्रेस वार्ता में दी। उन्होंने बताया कि कैंसर का इलाज संभव है। इससे डरने नहीं बल्कि लड़ने की जरूरत है। कैंसर के इलाज के लिए अब एडवांस तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है, ताकि मरीज का इलाज जल्द से जल्द से हो। कैंसर की जांच अगर समय पर कर लिया जाएं, तो इलाज आसानी से होता है। इसलिए पारस हॉस्पिटल निःशुल्क कैंसर जांच मेगा कैंप लगा रहा है।

पारस हॉस्पिटल के जोनल हेड श्रीकांत सुबुद्धि ने कहा कि पारस हॉस्पिटल में कैंसर के इलाज के लिए अलग से कैंसर सेंटर बनाया गया है। यहां सभी प्रकार के कैंसर का इलाज किया जा रहा है। हॉस्पिटल में कंप्रिहेंसिव सेंटर भी खुल रहा है। अप्रैल माह में रेडिएशन ऑंकोलॉजी भी खुलने जा रहा है। एक ही छत में नीचे कैंसर के सभी ट्रीटमेंट देने की सुविधा उपलब्ध है। एडवांस मशीन भी लगाया गया है।

पारस हॉस्पिटल एचईसी के मार्केटिंग हेड मानस लाभ ने कहा कि विश्व कैंसर दिवस पर पारस हॉस्पिटल :शुल्क कैंसर जांच मेगा कैंप का आयोजन कर रहा है। इस सुनहरे अवसर को नहीं चुके। जल्द ही जांच करवाएं एवं विशेषज्ञ देखभाल का लाभ उठाएं। इसके अलावा कैंप में हॉस्पिटल में इलाज करवा रहे 200 से अधिक मरीजों को सम्मानित किया जाएगा। श्री लाभ ने कहा कि निःशुल्क कैंसर जांच कार्यक्रम जरूरतमंद लोगों के लिए एक वरदान है। इसके माध्यम से समय रहते बीमारी का पता लगाया जा सकता है और सही इलाज संभव हो सकता है। इसलिए, अगर आप या आपका कोई परिचित जोखिम श्रेणी में आता है, तो जल्द से जल्द कैंसर जांच करवाएं और स्वस्थ जीवन अपनाएं। अधिक जानकारी के लिए मोबइल नंबर 7282010101 पर संपर्क करें।

"हरित एवं स्वछ ऊर्जा अपनाएं, पर्यावरण को स्वछ बचाएँ " अभियान का शुभारंभ

रांचीः इंडियन ऑयल परपोरेशन रांची सर्कल कार्यालय के परिसर में शुक्रवार को "सक्षम (संरक्षण क्षमता महोत्सव) 2025" "हरित एवं स्वछ ऊर्जा अपनाएं, पर्यावरण को स्वछ बचाएँ " का उदघाटन किया गया। इस वर्ष सक्षम 2005 का विषय हरित एवं स्वच्छ ऊर्जा अपनाएं, पर्यावरण को स्वछ बचाएँ" है। "सक्षम (संरक्षण क्षमता महोत्सव) 2025" कार्यक्रम कर उदघाटन मुख्य अतिथि खिजरी विधायक राजेश कच्छप ने किया। मौके पर विधायक ने तेल और गैस को बचाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने मूल्यवान विदेशी मुद्र भंडार को बचाने के लिए आम लोगों से पेट्रोलियम उत्पादों के सक्षण का अनुरोध किया। तेल की बचत करके हम इसे अधिक समय तक उपयोग कर सकते हैं।

इस कार्यकम की अध्यक्षता पंकज कुमार, राज्य स्तरीय समन्वयक तेल उद्योग सह मदन खुदरा विक्रय प्रमुख, इंडियन ऑयल कारपोरेशन लिमिटेड ने सभा को संबोधित किया। सक्षम (संरक्षण क्षमता महोत्सव) 2025 अवधि के दौरान पूरे झारखण्ड में परिवहन उद्योग और घरेलू के लिए तेल उधोग द्वारा की जाने वाली गतिविधियों की जानकारी दी। इस समारोह में प्रशांत सिंह गेल इंडिया लिमिटेड, संजय तिग्गा, भारत पेट्रोलियम, विवेक दूरे, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरशन लिमिटेड एवं इसके अलावा कार्यक्रम में पूरे झारखण्ड से सभी तेल कंपनियों के विभिन्न अधिकारी, रिटेल आउटलेट बीलर और एलपीजी सिस्टीम्यूटर्स शामिल हुए।

"सक्षम (संरक्षण क्षमता महोत्सव) 2025" के पलवाड़े भर चलने वाले उत्सव के दौरान, पेट्रोलियम उत्पादों और अन्य प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के प्रति जनता के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए तेल उद्योग के सदस्य पूरे झारखण्ड राज्य में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करेंगे। पूरे झारखण्ड में साइकिल रैली समूह वार्ता, वॉकचेन, कार रैली, गैस के संरक्षण में गृहिनियों के लिए जागरूकता अभियान ट्रक चालकों के लिए चालक प्रशिक्षण कार्यकन और विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों के छात्रों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएगी।

तेल उद्योग और सक्षम 2025 आयोजन समिति की ओर से अंडियन ऑयल कारपोरेशन लिमिटेड के कार्यक्रम के सभी गणमान्य व्यक्तियों मीडियाकर्मियों और दर्शकों का हार्दिक आभार व्यक्त किया आभार व्यस्त किया। पेट्रोलियम उत्पारों के संरक्षण के लिए जागरूकता फैलाने में भूमिका अदा की।

मेगा ट्रेड फेयर के अब कुछ दिन शेष, फर्नीचरों पर मिल रहा आकर्षक ऑफर

रांचीः मोरहाबादी मैदान में आयोजित 16वें इंडिया इंटरनेशनल मेगा ट्रेड फेयर में हजारों लोग प्रतिदिन पहुंच रहे हैं। ट्रेड फेयर के कुछ दिन और बचे है। ऐसे में अब दुकानदार ग्राहकों को तरह-तरह की छूट दे रहे है। एक ही छत के नीचे बिक रहे घरेलू आइटम की स्टालें लोगों की पसंद बनी हुई है। वहीं, फर्नीचर हैंगर में हैदराबाद की कंपनी डी डिजाइनो का स्टॉल लगा है। इस स्टॉल पर प्रीमियरम सेगमेंट के सोफा कम बेड मिल रहा है। बेहतर खूबसुरत और मजबूत टिकाउ वाला सोफा लोगों को पंसद आ रहा है। लोग इसकी बुकिंग भी करवा रहे हैं। इन सोफा कम बेड पर पांच साल की वारंटी भी दी जा रही है। यहां सोफा पर 50 प्रतिशत की छूट भी जा रही है। इसके अलावा एक्सचेंज ऑफर भी मिल रहे हैं। कोई भी पुराना सोफा लाइये और नया सोफा लेकर जाये। मेगा ट्रेड फेयर में हैंडीक्राफ्ट सहित अन्य सभी तरह के आइटम शहरवासियों को लुभा रहे है। फेयर में इंटरनेशनल स्टॉल में कई देशों के भी स्टॉल लगाये गये हैं, जहां महिलाओं के लिए मेकअप, ब्यूटी प्रोडक्ट और सुंदर-सुंदर हेयर एक्सेसरीज, आर्टिफिशियल ज्वेलरी मिल रही थी। इसे खरीदने के लिए महिलाओं की खूब भीड़ नजर आ रही थी। फेयर में इलेक्ट्रिकल, वुलेन आईटम, खाद्य उत्पाद, हैण्डीक्राफ्टस, स्टेशनरी, सौंदर्य उत्पाद, गारमेंट एंड हैण्डलूम, फर्नीचर एंड फर्निशिंग, होम एप्लाइंसेज, स्वास्थ्य सामग्री, आर्टिफिशियल ज्वैलरी, गिफ्ट, हर्बल एवं आयुर्वेदिक, स्पोर्टसआईटम, फैशन एंड फुटवियर, फर्नीचर की विशाल रेंज सहित अन्य सामान सस्ती दरों पर उपलब्ध है। वहीं, फेयर में ऑटोमोबाइल सेक्टर के भी स्टॉल लगे हुए है।

सैमसंग ने बेस्पोक एआई विंडफ्री एयर कंडीशनर रेंज लॉन्च की

रांचीः इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने अपनी 2025 बेस्पोक एआई विंडफ्री एयर कंडीशनर रेंज लॉन्च की है, जो भारतीय उपभोक्ताओं की बदलती जरूरतों को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई है। अत्याधुनिक एआई तकनीक, ऊर्जा कुशल प्रदर्शन और आधुनिक जीवनशैली में सहज समावेश के साथ, यह नई रेंज न केवल भारतीय गर्मियों के लिए कूलिंग के अनुभव को नए स्तर पर ले जाती है बल्कि घरों में आरामदायक माहौल भी बनाए रखती है। एआई फास्ट एंड कम्फर्ट कूलिंग तकनीक से लैस ये एयर कंडीशनर कमरे का तापमान तेजी से कम करते हैं और फिर धीरे-धीरे विंडफ्रीन् कूलिंग में बदल जाते हैं। यह अनूठी तकनीक बिना किसी तेज हवा के कोमल और प्रभावी कूलिंग सुनिश्चित करती है, जो इनडोर और आउटडोर परिस्थितियों के अनुसार खुद को अनुकूलित कर लेती है। यह सिस्टम उपयोगकर्ता की पसंद और आदतों को लगातार सीखकर व्यक्तिगत कूलिंग समाधान प्रदान करता है, जिससे यह भारत के अनिश्चित जलवायु में रहने वाले परिवारों के लिए एक आदर्श विकल्प बन जाता है।

पलामू :जेल से कैदी के फरार होने के मामले में तीन पुलिस कर्मी निलंबित

पलामू : मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के कैदी वार्ड से हत्याा आरोपी ऋषिकेश दुबे के फरार होने के मामले में एसपी रीष्मा रमेशन ने कार्रवाई की है। इस मामले में एसपी ने तीन पुलिस जवानों को निलंबित किया है। सभी पर ड्यूटी के दौरान लापरवाही बरतने का आरोप है। तीनों जवानों के निलंबन के बाद कैदी वार्ड की सुरक्षा में नये जवानों को तैनात किया गया है। विदित हो कि ऋषिकेश दुबे सात फरवरी को कैदी वार्ड से फरार हो गया था। इसके बाद सदर एसडीपीओ मणिभूषण प्रसाद के नेतृत्व में एक जांच टीम का गठन किया गया था। इस जांच रिपोर्ट में तीनों जवानों की लापरवाही उजागर हुई। जिसके बाद एसपी ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तीनों जवानों को निलंबित कर दिया।

प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के तहत मंडरो प्रखंड में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

साहिबगंज प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के प्रति कारीगरों और शिल्पकारों को जागरूक करने के उद्देश्य से मंडरो प्रखंड में शुक्रवार को जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का नेतृत्व एमएसएमई धनबाद के सहायक निदेशक दीपक कुमार ने किया। इस अवसर पर प्रखंड विकास पदाधिकारी मंडरो मेघनाथ उरांव, EODB मैनेजर चंद्रशेखर शर्मा, मुख्यमंत्री लघु कुटीर बोर्ड से जिला उद्यमी समन्वयक देवब्रत कुमार, CSC मैनेजर आलोक कुमार, कन्हाई कुमार सहित स्थानीय मुखिया एवं हस्तशिल्पकार बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के विभिन्न लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। इसमें कारीगरों और शिल्पकारों को प्रधानमंत्री विश्वकर्मा प्रमाण पत्र और आईडी कार्ड, कौशल उन्नयन प्रशिक्षण, उपकरण अनुदान, ब्याज सब्सिडी के साथ ऋण सुविधा, डिजिटल लेनदेन प्रोत्साहन और विपणन सहायता जैसी सुविधाओं पर विशेष चर्चा की गई। सहायक निदेशक दीपक कुमार ने बताया कि इस योजना के तहत कारीगरों और शिल्पकारों को 3 लाख रुपये तक का बिना जमानत ऋण उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे वे अपने व्यवसाय को आगे बढ़ा सकें। इसके साथ ही, प्रशिक्षण के दौरान 500 रुपये प्रतिदिन का भत्ता और 15,000 रुपये तक का उपकरण अनुदान भी दिया जाएगा।

पुलवामा में हुए अमर शहीदों को कांग्रेसियों ने दी श्रद्धांजलि

जिला कांग्रेस कमिटी हजारीबाग द्वारा बुधवार को परिसदन स्थित शहीद स्थल पर महानगर अध्यक्ष मनोज नारायण भगत के नेतृत्व में पुलवामा में हुए 40 अमर शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई । इस अवसर पर महानगर अध्यक्ष मनोज नारायण भगत ने कहा कि आज के ही दिन जम्मू श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर भारतीय सुरक्षा कर्मियों को ले जाने सीआरपीएफ के वाहनों के काफिले पर आत्मघाती हमला हुआ था जिसमें 40 भारतीय सुरक्षा कर्मियों नें अपनी शहादत दी थी । उन्होंने कहा कि देश के लिए जो जवान शहीद होते हैं कभी मरते नहीं बल्कि सदा के लिए अमर हो जाते हैं । श्रद्धांजलि कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष सह प्रवक्ता निसार खान,सेवा दल के अध्यक्ष गुड्डू सिंह, सहकारिता के जिला अध्यक्ष कृष्णा किशोर प्रसाद,परवेज अहमद,ओबीसी के प्रदेश सचिव रेणु कुमारी, रघु जायसवाल,महासचिव दिलीप रवि,मो मुस्ताक,महिला जिला अध्यक्ष बेबी देवी,राजेश कुमार,सलीम रजा,अनिल भुइया,असरफ अली,सदरुल होदा आदि काग्रेसजन उपस्थित रहे ।

श्री श्री श्याम निशान अमृत महोत्सव को लेकर देवी-देवताओं का आह्वान

रांचीः आचार्यों एवं पंडितों के सानिध्य में श्री श्याम परिवार रांची के अध्यक्ष श्रवण जालान सपरिवार नेहा जालान मुख्य यजमान के रूप में तथा सभी सदस्यों द्वारा हवन, पूजन के साथ में सभी देवी-देवताओं का आह्वान किया गया, जिसमें श्री गणेश जी महाराज, श्री हनुमानजी, श्री श्याम प्रभु खाटू वाले, श्री राणी सती दादी आदि सभी देवी-देवताओं विशेष पूजा अर्चन की गई जिसमें श्री श्याम परिवार के कई सदस्य सपरिवार उपस्थित थे, जिनमें मुख्य रूप से जयदीप राज, प्रकाश दालानिया, शालू सिंघानिया, राजेश जालान, संजय खेतान, पंकज शर्मा, रजत जालान आदि कई सदस्य उपस्थित थे। 15 फरवरी 2025 (शनिवार) को दोपहर 2:00 बजे से श्रृंगारित रथ पर विराजित श्री श्याम प्रभु की झांकी निकाली जाएगी भव्य निशान शोभा यात्रा निकाली जाएगी, जिसमें 351 महिलाये एवं पुरूष पारम्परिक राजस्थानी वेशभूषा में श्री श्याम प्रभु के पवित्र निशान को लेकर नगर भ्रमण करते हुए चलेंगे। शोभायात्रा में श्री श्याम बाबा के भजन कीर्तन करते हुए श्री श्याम परिवार के सदस्यगण एवं भजन प्रवाहक होंगे। मुख्य आकर्षण श्रृंगारित रथ पर विराजित श्री श्याम प्रभु की मनोहारी झांकि होगी। मुख्य रथ के आगे हाथों में पवित्र निशान लिए पंच प्यारे रहेंगे। झारखंड की लोक प्रसिद्ध ढाक पर्टी 31 सदस्यों की टोली भी इस शोभायात्रा में शमिल होंगे साथ कई मनमोहक जीवंत झांकियां भी शामिल होंगी शोभा यत्रा श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर से शुरू होकर बंशीधर आडुकिया रोड, कार्ट सराय रोड, ईस्ट मार्केट रोड, अपर बाजार, मारवाड़ी टोला, गांधी चौक, रांची विश्वविद्यालय, शहीद चौक होते हुए महोत्सव स्थल" श्री श्याम हवेली" दुर्गा-बाड़ी राँची पहुंचेगी। यह जानकारी प्रचार संयोजक अमित चौधरी ने दी

श्री शिव बारात आयोजन केंद्रीय महासमिति पहाड़ी मंदिर के अध्यक्ष बने गुलशन मिढ़ा

रांचीः महाशिवरात्रि को लेकर श्री शिव बारात आयोजन केंद्रीय महासमिति पहाड़ी मंदिर (मुख्य द्वार) के पदाधिकारियों का शुक्रवार को सर्वसम्मति से चुनाव संपन्न हुआ.दोपहर 3:00 बजे पहाड़ी मंदिर के प्रांगण में बुलाई गई बैठक में श्री शिव बारात आयोजन केंद्रीय महासमिति पहाड़ी मंदिर (मुख्य द्वार) के पदाधिकारियों का सर्वसम्मति से चयन हुआ.हर हर महादेव के जयघोष के बीच संस्थापक नंद किशोर सिंह चंदेल ने 26 फरवरी को होने वाले महाशिवरात्रि को लेकर सर्वसम्मति से श्री शिव बारात आयोजन केंद्रीय महासमिति पहाड़ी मंदिर (मुख्य द्वार) के चुने गए पदाधिकारीयों की घोषणा की, जिसमें दीपिका पांडे सिंह (मंत्री झारखंड सरकार),महुआ माजी (राज्यसभा सांसद), सुरेश बैठा (विधायक कांके),गौरव सिंह(अध्यक्ष युवा आयोग झारखंड सरकार) एवं राजीव रंजन प्रसाद (अध्यक्ष गो सेवा आयोग) को मुख्य संरक्षक तथा ललित ओझा एवं राजू काठपाल को मुख्य संयोजक बनाया गया.वरिष्ठ संरक्षक में ज्योति सिंह मथारू,जय सिंह यादव, हरविंदर सिंह बेदी, हेम सिंह,रमेश सिंह,सोमवित माजी,शंकर दूबे,कुमार राजा, आलोक दुबे, लाल किशोर नाथ शाहदेव तथा संरक्षक में अजय तिर्की,दीपक ओझा, दिलीप गुप्ता,विनय सिंह,नीलू सिंह,रीना सिंह,बीना सिंह, शीला उरावं, रीता दुबे, वंदना,मंजुला बेरा शामिल हैं. समिति का मुख्य सलाहकार बिट्टू सिंह,जीतू साहू एवं पुरेंदर सिंह को बनाया गया तथा मुख्य आयोजक शैलेश्वर दयाल सिंह,उज्जवल कुमार सिन्हा तथा राजू सिन्हा होंगे. अध्यक्ष पद की जिम्मेवारी गुलशन मिढ़ा को मिली तथा जीतू अरोड़ा को महासचिव सह कोषाध्यक्ष चुना गया.सचिव पद के लिए बासु बेरा, सुनील यादव,मोनू शर्मा,नीतू बजाज, संध्या देवी, टीके मुखर्जी, डीके सिंह, राहुल सिंह,गीता देवी, नीतू सिंह तथा अर्जुन प्रकाश का नाम तय हुआ.इसके अलावा बारात प्रभारी संजय सिंह लालू को,संयोजक रंजू देवी,सोमू बनर्जी को बनाया गया. नरेश मक्कड़(नेशु) कार्यकारी अध्यक्ष की भूमिका निभाएंगे. उपाध्यक्ष के पद के लिए विकास सिंह, अमित कुमार रॉय, दीपक, बजाज, पीयूष तनेजा, गीतांशु काठपाल, गगन सिंह मिढ़ा, रिकी मिढ़ा,सह सचिव के पद के लिए अमन ठाकुर, लखन कुमार, मोहन गोस्वामी तथा भरत मुंजाल के नामों पर सहमति बनी. नरेश पपनेजा को फिर से मीडिया का प्रभार सौंपा गया. इसके अलावा कलावती देवी, लक्ष्मी, पूजा, रोहन, सुरजीत मुंजाल, सोनू कुमार को कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया. पदाधिकारियों के चयन के बाद महाशिवरात्रि के दिन पहाड़ी मंदिर के मुख्य द्वार से शिव बारात पूरे धूमधाम से निकालने को लेकर चर्चा हुई. संस्थापक नंद किशोर सिंह चंदेल ने कहा कि इस महत्वपूर्ण बैठक का मकसद शिव बारात में केंद्रीय महासमिति का स्वरूप क्या होगा और साथ ही शिव बारात का मुख्य आकर्षण क्या होगा इस पर विस्तार से बातें की गई. बैठक में तय हुआ कि 26 फरवरी को पहाड़ी मंदिर के मुख्य द्वार के पास स्टेज बनाकर सभी मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि और अतिथियों के साथ साथ पहाड़ी बाबा के भक्तों का भव्य स्वागत किया जाएगा.उसके बाद शिव बारात पहाड़ी मंदिर के मुख्य द्वार से दोपहर 1:00 बजे निकलकर पूरे शहर का भ्रमण करते हुए पिस्का मोड़ स्थित विश्वनाथ मंदिर पहुंचेगी और वहां पहुंचने पर भगवान शिव और माता पार्वती के स्वरूप का शुभ विवाह होगा.इस बार कि झांकी बहुत ही महत्वपूर्ण और खूबसूरत होगी. शिव बारात में ढोल नगाड़ा, जीवंत झांकियों की खूबसूरत प्रस्तुति होगी.

राजधानी से किडनैप BHP नेता धनबाद में मिले

धनबाद ।ः राजधानी रांची से अचानक रहस्यमय ढंग से गायब हुए विश्व हिंदू परिषद के नेता और होटल कारोबारी लाल रणविजय नाथ सहदेव को सही सलामत रिकवर कर लिया गया है। उन्हें धनबाद RPF की टीम ने स्टेशन से बरामद किया। लाल रणविजय नाथ सहदेव राजधानी रांची के ठाकुरगांव थाना क्षेत्र उरगुट्टू के रहने वाले हैं। उनके घरवालों ने बीते गुरुवार को उनकी अपहरण की प्राथमिकी ठाकुरगांव थाना में दर्ज करायी थी बलियापुर के CO प्रवीण कुमार ने मीडिया को बताया कि RPF ने उन्हें जानकारी दी कि लाल रणविजय नाथ सहदेव स्टेशन पर भाग रहे थे। वे बचाओ-बचाओ चिल्ला रहे थे। रणविजय को चीखते-चिल्लाते और भागते देख RPF ने उन्हें अपनी हिफाजत में ले लिया और फिर अस्पताल में एडमिट कराया। CO के अनुसार होटल कारोबारी लाल रणविजय नाथ सहदेव को किडनैप कर किसी पहाड़ के ऊपर रखा गया था। वहीं, उनकी सोने की अंगूठी और पास में जो पैसे थे, सबकुछ छीन लिये गये। हाथ रस्सी से बंधे थे। वो भाग न पाये, इस चलते उनके पैरों को जलाने का प्रयास किया गया था। इधर, किडनैपिंग के पीछ जो बातें छनकर सामने आ रही है उसके अनुसार लाल रणविजय नाथ सहदेव बीते गुरुवार को शाम करीब चार बजे अपने घर से कहीं जा रहे थे। उनका घर पिठोरिया में है। राजभवन के पीछे वे पेशाब करने के लिये रुके। जैसे ही उन्होंने अपनी बाइक रोकी, एक इको स्पोर्ट कार से उतरे चार लोगों ने उनका अपहरण कर लिया और चलते बने। सहदेव चीख-चिल्ला न सके, इस चलते उन्हें रास्ते में ही बेहोश कर दिया गया था। अब उन्हें रिकवर कर लिया है।

हैंडलूम एक्सपो में बुनकरों द्वारा दिया जा रहा है आकर्षक डिस्काउंट

धनबाद। पॉलिटेनिक मोड़ के नजदीक बेकार बांध स्थित ब्लेसिंग्स बैंक्विट हॉल में बुनकर सेवा केन्द्र, रांची की ओर से आयोजित एक्सक्लूसिव हैंडलूम एक्सपो में बुनकरों द्वारा ग्राहकों को आकर्षक डिस्काउंट दिया जा रहा है। यह एक्सपो 08 फरवरी से शुरू होकर 21 फरवरी तक चलता रहेगा। इसमें कुल 40 स्टॉल लगाये गये है। जिसमें झारखंड के अलावा अन्य राज्यों के बुनकरों ने भी अपने स्टॉल लगाए हैं। बुनकर सेवा केंद्र, रांची के उपनिदेशक श्री मनोज कुमार ने बताया कि इस एक्सपो में हथकरघा से बने हुए बेहतरीन उत्पादों की बिक्री हो रही है और लोगो को बहुत पसन्द आ रही है। इसमें महिलाओं के लिए सिल्क एवं कॉटन की साड़ियां, दुपट्टा सहित अन्य वस्त्र तथा पुरुषों के लिए ड्रेस मटेरियल एवं होम फर्निशिंग के भी बेहतरीन उत्पाद उपलब्ध हैं। यह एक्सपो प्रतिदिन सुबह 10 बजे से रात 8 बजे तक ग्राहकों के लिए खुला रहता है। इसमें उनको हथकरघा के सभी उत्पाद बुनकरों द्वारा सीधे बेचा जा रहा है। जिसकी कीमत बाजार में उपलब्ध हथकरघा उत्पादों से बहुत कम हैं। इसके साथ ही बुनकरों द्वारा सभी उत्पाद बेहतरीन डिस्काउंट पर बिक्री किए जा रहे हैं। यह एक्सपो अभी एक सप्ताह तक और चलेगा। धनबाद वासी इसका अधिक से अधिक लाभ ले सकते हैं।

मुवाआजा हक़ अधिकार के लिए श्रम विभाग के पदाधिकारियों से मिलकर किया गया मांग

बरवाअड्डा तिलैया निवासी पैरों से दिव्यांग दिहाड़ी मजदूर संटु कुमार महतो के मुवाआजा हक़ अधिकार के लिए जेएलकेएम धनबाद जिला मीडिया प्रभारी रंजीत कुमार महतो पीड़ित परीजनों से मिलकर राजगंज थाना प्रभारी और श्रम विभाग के पदाधिकारियों से मिलकर संवैधानिक हक अधिकार के लिए किया गया मांग

धनबादः धनबाद जिले अंतर्गत गोविंदपुर प्रखंड बरवाअड्डा क्षेत्र के तिलैया पंचायत निवासी असंगठित दिहाड़ी मजदूर संटु कुमार मोहली पिता पुरण मोहली को मजदुरी राजगंज थाना क्षेत्र में दिहाड़ी मजदूरी करने के दौरान ठिकेदार संवैदक के लापरवाही के कारण दिहाड़ी असंगठित मजदूर तिलैया निवासी संटु कुमार मोहली का बायां पैंर शत् प्रतिशत कट गया और दायां पैंर के तीन अंगुली कट गया दिहाड़ी मजदूर संटु कुमार मोहली और उनके परिजनों के द्वारा स्थानीय राजगंज थाना प्रभारी के यहां चक्कर लगवाने की सूचना मिलते ही आज़ झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के धनबाद जिला मीडिया प्रभारी युवा क्रांतिकारी रंजीत कुमार की टीम के द्वारा पीड़ित परिजनों से मीलकर स्थानीय राजगंज थाना प्रभारी, धनबाद श्रम विभाग, कल्याण विभाग धनबाद के संबंधित पदाधिकारियों और धन्यवाद जिला सेवा प्राधिकरण के पदाधिकारियों से बात करके उनके जीवन निर्वाहन के लिए मुवाआजा,एक इलेक्ट्रॉनिक स्कूटर, दिव्यांग पेंशन और संबंधित संवैदक ठिकेदार से मुवाआजा के लिए झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा धनबाद जिला मीडिया प्रभारी युवा क्रांतिकारी रंजीत कुमार महतो के द्वारा संज्ञान में लेकर हर संभव मदद किया गया मौके पर झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा धनबाद जिला मीडिया प्रभारी युवा क्रांतिकारी रंजीत कुमार महतो पीड़ित पिता पुरण मोहली वनस्थली विद्यालय के हरि प्रसाद महतो समाजसेवी सुरेश महतो जेएलकेएम बरवाअड्डा ज़ोन पदाधिकारी मधुसूदन महतो कामरेड प्रदीप महतो कृष्ण रजवार बासुदेव मोहली की उपस्थिति हुई

मजदूरों का मांग जब तक पूरा नहीं होगा आंदोलन जारी रहेगा

धनबाद।तिसरा।मजदूरों का मांग जब तक पूरा नहीं होगा आंदोलन जारी रहेगा उक्त बातें बिहार कोलियरी कामगार यूनियन के केंद्रीय सचिव एवं भाकपा माले के जिला सचिव बिंदा पासवान ने 6 नंबर साइडिंग मैं आयोजित मजदूरों के सभा के दौरान कहीं। उन्होंने कहा कि यहां के मजदूर अपने वेतनमान की वृद्धि को मांग को लेकर पिछले 28 जनवरी से लगातार आंदोलन पर है लेकिन प्रबंधन ध्यान नहीं दे रहा है सीएमडी के आदेश के बाद भी ठेकेदार मजदूरों को उनका हक नहीं दे रही है उन्होंने कहा कि आश्चर्य होता है की इस साइडिंग मैं काम तो एक जैसा होता है लेकिन ठेकेदार अलग-अलग पेमेंट करती है आधा को 13 हजार रुपया दिया जाता है जबकि बाकी को मात्र 11 हजार से ही संतुष्ट करना पड़ता है आखिर कैसे चलेगा हम लोगों की मांग है कि सभी को एक समान वेतन दिया जाए यदि ऐसा नहीं होता तो असंगठित मजदूर आने वाले दिनों में आउटसोर्सिंग का चक्का जाम भी करेंगे आंदोलन के कारण प्रबंधन के परेशानी बढ़ गई है साइडिंग मैं रेक लोडिंग भी पिछले 17 दिनों से बंद है जिससे काफी नुकसान हो रहा है मजदूर प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी किया हालांकि आज विधायक अरुप चटर्जी की सभा थी लेकिन कुछ आवश्यक काम के कारण वह नहीं आए बाद में आने की बात कही है। अध्यक्षता क्षेत्रीय अध्यक्ष राजेंद्र पासवान ने किया संचालन सपन पासवान कर रहे थे। मौके पर राम प्रसाद मलिक बिंदेश्वर पासवान शंकर रवानी, शंकर भुइयां, सुरेंद्र वर्मा विजय भुइयां, लक्ष्मी मलाहीन, लक्षवा देवी कौशल्या देवी पुष्पा देवी नरेश भुइयां आदि थे।

बीसीसीएल में काम करने वाले मजदूर भाग्यशाली है क्योंकि बीसीसीएल औरों कंपनी से अच्छी है

धनबाद तिसरा। बीसीसीएल में काम करने वाले मजदूर भाग्यशाली है क्योंकि बीसीसीएल औरों कंपनी से अच्छी है मजदूरों का ध्यान सेवानिवृत्ति के बाद रखती है। । उनके परिवार को लाभ मिलता है। उक्त बातें सीमेवा के केंद्रीय महामंत्री सुरेंद्र सिंह एवं आदित्यनाथ झा ने कुइयां सात नंबर बिजली घर प्रांगण में संगठन के जोनल महामंत्री आदित्यनाथ झा के सेवानिवृत के पश्चात संगठन की ओर से सम्मान सह संबंध समारोह मैं कहीं। कहा कि वर्तमान में एमडीओ मूड आने से मजदूर ही नहीं अधिकारी के ऊपर भी अस्तित्व बचाने का संकट आ गया है इसके खिलाफ आवाज उठाने की जरूरत है। उन्होंने प्रबंधन से मेंन पावर बजट के अनुसार पदोन्नति करने की मांग की कहा कि वर्षों से मजदूर काम कर रहे हैं लेकिन पदोन्नति नहीं हो रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता क्षेत्र के महाप्रबंधक अनिल कुमार सिंहा ने किया संचालन बुद्धू यादव कर रहे थे। अनिल कुमार सिंहा एवं संगठन के लोग बीसीसीएल के जोनल महामंत्री आदित्यनाथ झा को अंग वस्त्र फूल माला आदि देकर सम्मानित किया कहा कि काम के साथ-साथ संगठन में सक्रिय भूमिका निभाते थे कंपनी की ओर से सेवानिवृत हुए हैं लेकिन संगठन से नहीं संगठन में आगे काम करते रहेंगे। मौके पर एपीएम अभिषेक राय परियोजना पदाधिकारी देवेंद्र कुमार सिंह प्रबंधक चंद्रशेखर सिंह उप महाप्रबंधक टी पासवान के अलावा संगठन के भगवान प्रसाद नोनिया कारू दास आलोक सिंह कैलाश सिंह रणजीत सिंह परमहंस सक्सेना दिलीप बाउरी मनोज निषाद गोकुल साह विनय सिंह दीनानाथ बेलदार बलराम सतनारायण साहू प्रदीप कुमार पासवान आदि थे ।

झारखंड टूरिज्म प्रस्तुत कर रहे हैं, sky diving Festival 2025

झारखंड टूरिज्म प्रस्तुत कर रहे हैं, sky diving Festival 2025 , जिसका आगाज जमशेदपुर में दिनांक 16 फरवरी (रविवार)2025 को प्रातः 10:30 बजे *पर्यटन मंत्री श्री सुदिव्य कुमार के कर कमलों द्वारा किया जाएगा। यह sky diving Festival 2025, 16 फरवरी से शुरू होगा और 23 फरवरी तक चलेगा ।

पुलवामा हमले की छठवीं बरसी पर श्रद्धांजलि सभा में वीर शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित करते सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी

देहरादून । पुलवामा आतंकी हमले की छठवीं बरसी पर उत्तराखण्ड के सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने वीर शहीदों को नमन करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। शुक्रवार को सैनिक कल्याण निदेशालय में आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में उन्होंने पुष्प चक्र अर्पित कर शहीद जवानों को अपनी ओर से और प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की तरफ से श्रद्धांजलि दी। इस दौरान कई पूर्व सैनिक सैन्य अधिकारी और गणमान्य लोग भी उपस्थित रहे।

मीडिया से रुबरु होते हुए सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पुलवामा हमले के बाद भारत ने आतंक के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया। 26 फरवरी 2019 को भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान के बालाकोट में घुसकर आतंकी ठिकानों को नष्ट किया और जवानों की शहादत का बदला लिया। उन्होंने कहा कि बालाकोट एयर स्ट्राइक भारत की सैन्य शक्ति और दृढ़ संकल्प का प्रमाण है। इस कार्रवाई के बाद शत्रु राष्ट्र अब भारत की शक्ति को हल्के में लेने की भूल नहीं करेगा। सैनिक कल्याण मंत्री ने कहा कि देश अपने वीर शहीदों को कभी नहीं भूलेगा। उन्होंने कहा कि किसी भी शहीद को हम वापस नहीं ला सकते, लेकिन उनकी वीरता और बलिदान की कहानियां अगली पीढ़ी को सुनाना हर देशवासी का कर्तव्य है। उन्होंने आह्वान किया कि समाज को शहीदों के परिवारों के प्रति संवेदनशील रहना चाहिए और हरसंभव सहयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि पुलवामा हमले में शहीद हुए 40 जवानों में उत्तराखंड के दो सपूत भी शामिल थे। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड हमेशा से सैन्य परंपरा और वीरता के लिए जाना जाता रहा है और यहां के जवानों का शौर्य हर किसी के लिए प्रेरणादायक है। मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि सरकार शहीदों के सम्मान में कई महत्वपूर्ण योजनाएं चला रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार शहीदों के परिजनों की सहायता के लिए प्रतिबद्ध है। श्रद्धांजलि सभा को मेजर जनरल पीएस राणा, निदेशक सैनिक कल्याण ब्रिगेडियर अमृत लाल और कर्नल आरएस भंडारी ने भी संबोधित किया। इस दौरान मेजर जनरल पीएस राणा, निदेशक सैनिक कल्याण ब्रिगेडियर अमृत लाल, एमडी उपनल ब्रिगेडियर जेएनएस बिष्ट, कर्नल आरएस भंडारी, कर्नल मोहन थपलियाल, कर्नल सतीश चंद्र शर्मा, प्रदीप रावत, सुरेंद्र राणा, ज्योति कोटिया, विनय गुप्ता, मोहन बहुगुणा, भूपेंद्र कठेत, राजेश चड्ढा, दीपक बहुखण्डी सहित कई पूर्व सैनिक उपस्थित रहे।

महाराज ने "घन्ना भाई" को उनके घर जाकर दी श्रद्धांजलि

देहरादून। प्रदेश के पर्यटन, लोक निर्माण, सिंचाई, पंचायतीराज, जलागम, ग्रामीण निर्माण, धर्मस्व एवं संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज ने उत्तराखंड सरकार में राज्य मंत्री रहे प्रसिद्ध हास्य कलाकार घनानंद "घन्ना भाई" के असामायिक निधन पर उनके आवास पर जाकर उन्हें श्रृद्धा सुमन अर्पित किए।

श्री महाराज ने घन्ना भाई के निधन को प्रदेश के कला जगत के लिए एक अपूर्णीय क्षति बताया है। उन्होंने कहा कि वह पहाड़ के मंझे हुए हास्य कलाकार थे। रामलीलाओं से अपने अभिनय की शुरुआत करने वाले 'घन्ना भाई' ने रेडियो, दूरदर्शन के साथ साथ कई गढ़वाली और कुमाऊंनी फिल्मों में हास्य अभिनय के माध्यम से अपनी कला की अमिट छाप छोड़ी है। सबको हंसाने वाले 'घन्ना भाई' जैसे उच्च कोटि के कलाकार का यूं एकाएक हमें छोड़कर चले जाना वास्तव में कला जगत की बड़ी क्षति है।

कुलपति प्रो. सतपाल सिंह बिष्ट ने राजभवन में 'वन यूनिवर्सिटी-वन रिसर्च' पर प्रस्तुतीकरण दिया

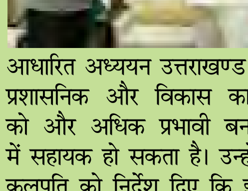

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) के समक्ष सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सतपाल सिंह बिष्ट ने राजभवन में 'वन यूनिवर्सिटी-वन रिसर्च' के अंतर्गत चल रहे शोध कार्य की प्रगति पर प्रस्तुतीकरण दिया। सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय द्वारा ''सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन जीआईएस'' विषय पर शोध किया जा रहा है।

कुलपति प्रो. बिष्ट ने बताया कि जीआईएस (भौगोलिक सूचना प्रणाली) तकनीक के माध्यम से उत्तराखण्ड जैसे पर्वतीय राज्य में आपदा प्रबंधन, पर्यावरण संरक्षण, जल संसाधन प्रबंधन और शहरी नियोजन को अधिक वैज्ञानिक और सटीक बनाया जा सकता है। इस तकनीक का उपयोग आपदाओं की रोकथाम और त्वरित राहत प्रयासों में भी किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि वन क्षेत्रों की निगरानी, जल स्त्रोतों की मैपिंग और शहरी विकास योजनाओं में भी यह तकनीक प्रभावी सिद्ध हो सकती है। उन्होंने अभी तक किए गए कार्यों के बारे में जानकारी दी।

राज्यपाल ने कहा कि जीआईएस आधारित अध्ययन उत्तराखण्ड में प्रशासनिक और विकास कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाने में सहायक हो सकता है। उन्होंने कुलपति को निर्देश दिए कि इस विषय पर और गहन शोध किए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड जैसे पर्वतीय राज्य में जीआईएस का उपयोग नीतिगत निर्णयों को सशक्त बनाने, स्मार्ट प्लानिंग सुनिश्चित करने और सतत विकास को गति देने के लिए किया जा सकता है। राज्यपाल ने कहा कि इस शोध के प्रभावी निष्कर्षों के माध्यम से जी-गवर्नेंस(जीआईएस बेस्ट गवर्नेंस) की दिशा में आगे बढ़ा जा सकता है। इस अवसर पर अपर सचिव श्री राज्यपाल स्वाति एस. भदौरिया, विश्वविद्यालय के प्रो. जे. एस. रावत उपस्थित रहे।

उत्तराखंड की देवभूमि के साथ खेलभूमि के तौर पर भी बनी पहचानः केंद्रीय गृह मंत्री शाह

38वें राष्ट्रीय खेलों का हुआ भव्य समापन

केंद्रीय गृह मंत्री ने उत्तराखंड द्वारा की गई शानदार व्यवस्थाओं की जमकर सराहना की राष्ट्रीय खेलों के सफल आयोजन से उत्तराखंड में नई संभावनाओं और उम्मीदों की शुरुआतः सीएम धामी केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह और मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी की उपस्थिति में अन्तरराष्ट्रीय स्पोर्ट्स स्टेडियम गोलापार, हल्द्वानी में 38वें राष्ट्रीय खेल का समापन समारोह आयोजित किया गया। भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष श्रीमती पीटी. ऊषा ने 38वें राष्ट्रीय खेल के समापन की घोषणा की। इस अवसर पर केन्द्रीय गृह मंत्री ने प्रथम तीन स्थान प्राप्त करने वाले सर्विसेज, महाराष्ट्र और हरियाणा को सम्मानित किया। उत्तराखंड के हर जिले में खेल इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार। केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने उत्तराखण्ड के चारों धामों के देवी देवताओं को प्रणाम करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री श्री धामी ने उत्तराखंड के हर जिले में खेल इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार हो गया है। उन्होंने कहा मुख्यमंत्री ने देवभूमि को राष्ट्रीय खेलों के नक्शे पर 25वें स्थान से 7वें स्थान पर लाने का कार्य किया है। राष्ट्रीय खेलों में उत्तराखंड के विजेता खिलाड़ियों ने देवभूमि को खेल भूमि बनाया है। केंद्रीय गृह मंत्री ने सभी उत्तराखंड के विजेता खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

उत्तराखंड की मेजबानी का देशभर में गुणगान। केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने उत्तराखंड की आयोजन समिति एवं खेल संगठनों की पीठ थपथपाते हुए कहा कि राष्ट्रीय खेलों के आयोजन के लिए पूरे देश में उत्तराखंड की तारीफ हो रही है। पूरा देश उत्तराखंड द्वारा की गई शानदार व्यवस्थाओं के गुणगान कर रहा है। भौगोलिक कठिनाइयों के बावजूद उत्तराखंड राज्य ने मुख्यमंत्री श्री धामी के नेतृत्व में इस कार्य को कुशलतापूर्वक सम्पन्न किया है। उन्होंने 38वें राष्ट्रीय खेल के सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हार और जीत का खेल से मतलब नहीं है। जीत का जज्बा और हार से निराश न होना, ये खेल का संदेश है। हारने वाले खिलाड़ियों के लिए अगली बार मेडल लाने का मौका है। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री धामी के नेतृत्व में 38वें राष्ट्रीय खेलों में इको- फ्रेंडली प्रैक्टिसेज एवं इको फ्रेंडली गेम को धरातल में उतारा गया है। खिलाड़ियों के नाम पर पौधारोपण किया गया। राष्ट्रीय खेलों में खिलाड़ियों द्वारा कई नए राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाए गए हैं, इन रिकॉर्डों से अंतरराष्ट्रीय खेलों में भी भारत के लिए पदक की उम्मीद जगी है।

38 वे राष्ट्रीय खेलों के समापन अवसर पर कैबिनेट मंत्री डॉ प्रेमचंद अग्रवाल और सतपाल महाराज ने शिरकत की

देहरादून । 38 वे राष्ट्रीय खेलों के समापन अवसर पर कैबिनेट मंत्री डॉ प्रेमचंद अग्रवाल और सतपाल महाराज ने शिरकत की। सरकार द्वारा राष्ट्रीय खेलों के भव्य और दिव्य आयोजन के लिए कैबिनेट मंत्री डॉ अग्रवाल ने मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी को बधाई दी। साथ ही उत्तराखंड को इतने बड़े कार्यक्रम के आयोजन की मेजबानी के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का आभार भी व्यक्त किया।

शुक्रवार को मंत्री डॉ अग्रवाल ने गोलापार हल्द्वानी स्थित स्पोर्ट्स स्टेडियम में 38वें राष्ट्रीय खेलों के समापन कार्यक्रम में शिरकत की। उन्होंने कहा कि हम उत्तराखंडियों के लिये राष्ट्रीय खेलों की मेजबानी एक बड़ा अवसर है। कहा कि हमारे यहां नेशनल गेम्स के सभी आयोजन सफल तरीके से संपन्न हुए हैं। अन्य प्रदेशों के जो खिलाड़ी आए हैं, वह भी एक अच्छा अनुभव देवभूमि से लेकर जा रहे हैं।

डॉ अग्रवाल ने कहा कि राज्य में अच्छी खेल सुविधाएं विकसित हुई हैं और खिलाड़ियों ने भी बड़ा अच्छा प्रदर्शन करके राज्य का मान-सम्मान बढ़ाया है। पदक तालिका में भी हम टोप टेन में शामिल हैं, जबकि गोवा में आयोजित 37वें राष्ट्रीय खेलों में हम 25 वें स्थान पर थे।

डॉ अग्रवाल ने कहा कि उत्तराखंड की मेजबानी में आयोजित 38वें राष्ट्रीय खेलों का आयोजन ग्रीन गेम्स की थीम पर किया गया है। 1600 मेडल विजेता खिलाड़ियों के नाम पर 2.77 हेक्टेयर वन भूमि को खेल वन के रूप में विकसित होगी। 38वें राष्ट्रीय खेलों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों के नाम पर यहां पर पौधारोपण होगा। उत्तराखंड की यादें, और खिलाड़ियों का परिश्रम इन पेड़ों के माध्यम से उन्हें हमेशा याद रहेगा। क्यों कि खेल के साथ पर्यावरण का संरक्षण भी हमारे लिए जरूरी है।

कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि उत्तराखंड को 38वे राष्ट्रीय खेलों में बड़ी उपलब्धि मिली है। अब हमारी देवभूमि खेल भूमि के रूप में स्थापित होगी और यहां के खिलाड़ी खेलों के क्षेत्र में अपना भविष्य बनाना चाहते हैं, ऐंसे खिलाड़ियों को अच्छा स्थान मिलेगा, खिलाड़ियों के व्यक्तित्व का विकास होगा। कहा कि खेलों के क्षेत्र में खिलाड़ियों को अच्छा प्रदर्शन करने के बेहतर अवसर मिलेंगे। कई सारे खेल स्ट्रक्चर हरिद्वार व देहरादून में भी बने हैं। राज्य में वेलो ड्रम्स बनाया गया है, अनेक स्विमिंग पूल से लेकर साइकिलिंग के साथ ही अनेक ऐसी प्रतियोगिताएं जो अन्य राष्ट्रीय खेलों में हैंगर्स में होती थीं, वे सारी प्रतियोगिताएं हमारे राज्य में परमानेंट स्ट्रक्चर पर हो रही हैं।

मंत्री महाराज जी ने कहा कि 38वें राष्ट्रीय खेलो में पर्यावरण संरक्षण का विशेष ध्यान रखा गया है। खेल आयोजनों में ज्यादा से ज्यादा इलेक्ट्रिक वाहनों का उपयोग किया जा रहा है। रीसाइकिल बोतलों में ही पानी की व्यवस्था की गई है।

नकली गोल्ड से लोन लेने वाले उत्तर प्रदेश के 02 शातिर अभियुक्त दून पुलिस की गिरफ्त में

देहरादून। वादी रमन सचदेवा पुत्र जगमोहन सचदेवा, निवासी अपर गंगानगर ऋषिकेश हाल प्रबन्धक आईसीआईसीआई बैंक ऋषिकेश द्वारा कोतवाली ऋषिकेश में आकर प्रार्थना पत्र दिया कि दिनांक 13.02.2025 को सुरेन्द्र व सन्तोष जनक उनकी आईसीआईसीआई बैंक ऋषिकेश शाखा मे ज्वैलरी (02 कंगन, 01 जोडी झुमकी, 01 ब्रेसलेट) के बदले गोल्ड लोन लेने के लिए आये तथा गोल्ड लोन एक्सपर्ट हिमान्शु रस्तोगी द्वारा उक्त ज्वैलरी की जाँच करने पर उक्त ज्वैलरी नकली पाई गई, सुरेन्द्र व सन्तोष जनक द्वारा नकली सोने को असली बताकर धोखाधडी करके गोल्ड लोन लेना चाहते थे तथा इससे पहले भी सुरेन्द्र ने 336000/-रु0 का और सन्तोष जनक ने 803175/-रु0 का लोन नकली सोने पर इसी शाखा से धोखाधडी करके लिया हुआ है। प्राप्त तहरीर के आधार पर तत्काल कोतवाली ऋषिकेश पर मु0अ0सं0 83/2025 धारा 318(4)/3(5) BNS के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया ।

घटना की गंभीरता के दृष्टिगत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून द्वारा अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु प्रभारी निरीक्षक ऋषिकेश को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए, जिसके क्रम में कोतवाली ऋषिकेश पुलिस द्वारा दोनो अभियुक्तो के संबंध में सुरागरसी/ पतारसी करते हुए जानकारियां एकत्रित की गई एवं दि0 13.02.25 को दोनों अभियुक्तों (1)- सुरेन्द्र पुत्र भगवान सिह (2)- सन्तोष जनक पुत्र विजेन्द्र सिह को गिरफ्तार किया गया।

पूछताछ में अभियुक्त संतोष जनक ने बताया कि वह आगरा में गाइड का काम करता था तथा वही उसकी मुलाकात अभियुक्त राजेंद्र से हुई थी जो लेबरी का काम करता था, उनके द्वारा पूर्व में भी नकली ज्वेलरी से बैंक से गोल्ड लोन लिया था, इस बार भी वह दोनों नकली ज्वेलरी से गोल्ड लोन लेने के लिए बैंक में आए थे। अभियुक्तों के आपराधिक इतिहास की जानकारी की जा रही है।

नाम/पता गिरफ्तार अभियुक्त
(1)- अभियुक्त सुरेन्द्र पुत्र भगवान सिह, निवासी विनोद विहार कालोनी छिद्दरवाला देहरादून, स्थायी पता-ग्राम बजेरा थाना बरसाना जिला मथुरा उ0प्र0, उम्र 21 वर्ष
(2) - अभियुक्त सन्तोष जनक पुत्र विजेन्द्र सिह, निवासी फरह वार्ड 1, शाही सराय फतेहा मथुरा उ0प्र0, उम्र 31 वर्ष,अभियुक्तों से बरामदगी
(1)- अभियुक्तो के कब्जे से 02 कंगन, 01 जोडी झुमकी, 01 ब्रेसलेट नकली सोने का बरामदपुलिस टीम
1- उ0नि0 बिनेश कुमार
2-हे0कानि0 कमल जोशी(SOG)
3-कानि0 मनोज कुमार (SOG)
4-कानि0 सोनी कुमार (SOG)
5-कानि0 अंशुल कुमार

नशा उन्मूलन हेतु दून पुलिस को अपना सहयोग प्रदान करने की करी अपील

रायवाला तथा डोईवाला क्षेत्र में पुलिस द्वारा छात्र-छात्राओ एवं स्थानीय लोगो को नशे से दूर रहने के लिये आयोजित किया जागरूकता कार्यक्रम नशे से होने वाले नुकसान की जानकारी देकर नशा उन्मूलन हेतु दून पुलिस को अपना सहयोग प्रदान करने की करी अपील

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित युवा वर्ग/आम जनमानस को नशा उन्मूलन की दिलाई शपथ, जागरूकता हेतु बाटें पम्पलेट,

मा0 मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड के ड्रग फ्री देवभूमि 2025 के विजन को साकार करने हेतु पुलिस मुख्यालय उत्तराखण्ड से प्राप्त निर्देशों के क्रम में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून द्वारा सभी अधीनस्थों को वर्तमान में नशे की बढती प्रवृत्ति को समाप्त करने के उद्देश्य से अपने-अपने थाना क्षेत्रों में जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिये गये हैं, जिसके क्रम में दून पुलिस द्वारा लगातार जागरूकता कार्यक्रम आयोजित युवा वर्ग/आमजनों को जागरूक किया जा रहा है।

इसी क्रम में आज दिनाँक 14/02/2025 को देहरादून पुलिस द्वारा कोतवाली डोईवाला में स्थानीय जनमानस के साथ तथा रायवाला क्षेत्रान्तर्गत हरिपुरकला में स्थित स्वामी सत्यमित्रानंद गिरि जी महाराज इंटर कॉलेज में छात्र/छात्राओं व अध्यापकगण के साथ जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

उक्त जागरूकता कार्यक्रम में पुलिस द्वारा उपस्थित छात्र-छात्राओ व स्थानीय लोगो को नशे के दुष्प्रभावों के सम्बंध में विस्तृत जानकारियां दी गई तथा नशे के सेवन करने से होने वाले नुकसान के सम्बंध में भी अवगत कराते हुए उन्हें नशामुक्त राज्य के स्थापना हेतु पुलिस को सहयोग किये जाने के लिये प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित छात्र-छात्राओ को एकजुट होकर आगे आने तथा नशा उन्मूलन हेतु दून पुलिस को अपना सहयोग प्रदान करने की अपील करते हुए नशामुक्ति से सम्बन्धित फ्लैक्सी/पोस्टर लगाकर उपस्थित लोगो को जन-जागरूकता हेतु पम्पलेट वितरित किये गये। साथ ही सभी से उनके आस-पास नशे के कारोबार में लिप्त व्यक्तियों के सम्बन्ध में कोई भी सूचना मिलने पर उसे तत्काल स्थानीय पुलिस को देने के सम्बन्ध में अवगत कराते हुए उन्हें स्थानीय पुलिस व देहरादून एएनटीएफ टीम के नम्बर उपलब्ध कराये गये।

स्वास्थ्य विभाग के लिये रणनीति बनायेगा एसएचएसआरसी : डॉ. धन सिंह रावत

देहरादून। प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार एवं गुणवत्ता सुधार को दृष्टिगत रखते हुये राज्य सरकार द्वारा स्टेट हेल्थ सिस्टम्स रिसोर्स सेंटर (एसएचएसआरसी) का गठन किया गया है। एसएचएसआरसी न केवल स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने की ठोस रणनीति बनायेगा बल्कि तकनीकी सहयोग भी प्रदान करेगा। इसके लिये स्वास्थ्य विभाग के उच्चाधिकारियों को अपने-अपने स्तर पर समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिये गये हैं।

सूबे के चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने मीडिया को जारी एक बयान में बताया कि भारत सरकार की तर्ज पर प्रदेश में स्टेट हेल्थ सिस्टम्स रिसोर्स सेंटर (एसएचएसआरसी) का गठन किया है, जो राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं में नवाचार, पारदर्शिता, गुणवत्ता सुधार एवं वितरण प्रणाली को मजबूत करेगा। इसके अलावा एसएचएसआरसी प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं की सुगमता बढ़ाने के साथ-साथ प्रशिक्षण, कौशल विकास, रिपोर्टिंग और फीडबैक प्रणाली को भी विकसित करेगा।

डॉ. रावत ने बताया कि संक्रमण की रोकथाम और सुरक्षा के लिये एसएचएसआरसी समय-समय पर प्रोटोकॉल तैयार करेगा, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार होगा। इसके अलावा जिला एवं ब्लॉक स्तर पर स्वास्थ्य इकाईयों की चुनौतियों का मूल्यांकन कर प्रत्येक माह विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर सुझावों के साथ उपलब्ध करायेगा।

उन्होंने कहा कि राज्य में स्वास्थ्य योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, टीकाकरण, संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने, मातृ-शिशु मृत्यु दर में कमी लाने सहित टीबी उन्मूलन जैसी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन सहित अनुसंधान व नवीन प्रौद्योगिकियों के इस्तेमाल में एसएचएसआरसी महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा। चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, चिकित्सा शिक्षा विभाग, मिशन निदेशक एनएचएम के उच्चाधिकारियों को अपने-अपने स्तर पर एसएचएसआरसी के साथ समन्वय स्थापित करने के निर्देश दे दिये गये हैं।

साईबर धोखाधडी के मामले में एक साइबर ठग को राजस्थान से किया गिरफ्तार

उत्तराखण्ड एसटीएफ के साईबर थाना देहरादून द्वारा करोडों की साईबर धोखाधडी के मामले में एक साइबर ठग को राजस्थान से किया गिरफ्तार जनपद हरिद्वार निवासी एक पिडिता के साथ हुयी थी 1,43,03,655/- (एक करोड तिरालीस लाख तीन हजार छः सौ पचपन) रुपये की साइबर धोखाधडीगिरोह द्वारा व्हाट्सएप पर यू0के0 वर्चुअल नम्बर का प्रयोग कर व्हाट्सएप संदेश के माध्यम से लोगों से सम्पर्क कर स्वयं को भारतीय ब्रोकर के रुप में पेश कर निवेश कराने के नाम पर कम समय में अधिक से अधिक मुनाफा कमाने का लालच दिया जाता था। शेयर मार्केट / स्टॉक ट्रेडिंग की विभिन्न कम्पनियों की फर्जी वैबसाईट बनाकर करते थे धोखाधड़ी अब तक की विवेचना से उपरोक्त धोखाधडी में पीडिता से ठगे गयी कुल धनराशि में से अलवर राजस्थान के विभिन्न पाँच आईडीबीआई बैंक खातों में 55,94,110/- रुपये स्थानान्तरित होना तथा इन खातों में कुल 2,33,17,920/- रुपये का लेन देन होना प्रकाश में आयाउक्त बैंक खातों के विरुद्ध राष्ट्रीय साईबर क्राईम पोर्टल में 15 शिकायते दर्जगिरफ्तार अभियुक्त से घटना में प्रयुक्त बैंक खाते का एस0एम0एस अलर्ट नं0 सहित एक मोबाइल हैण्डसैट बरामद।पुलिस महानिदेशक श्री दीपम सेठ महोदय के मार्गदर्शन मैं पुलिस महानिरीक्षक श्री नीलेश आनन्द भरने द्वारा साइबर पुलिस का नेतृत्व किया जाता है |

श्री नवनीत सिंह वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एसटीएफ उत्तराखण्ड द्वारा जानकारी देते हुये बताया कि* कुछ समय पूर्व साइबर क्राईम पुलिस स्टेशन देहरादून को एक प्रकरण प्राप्त हुआ जिसमें हरिद्वार निवासी शिकायतकर्ता को यूके स्थित व्हाट्सएप नंबर +447570899124 से फर्म क्वांटम कैपिटल के नाम से एक व्हाट्सएप संदेश प्राप्त हुआ जिसके बाद व्हाट्सएप नंबर +447570899056 से एक व्यक्ति द्वारा स्वयं को भारतीय ब्रोकर के रूप में पेश किया गया एवं 12000 रुपये के निवेश पर 16000 रुपये का एक छोटा सा रिटर्न देकर विश्वास में लिया और फिर उसने अपने फर्म पोर्टल क्वांटम कैपिटल के माध्यम से इसे 50% तक बढ़ाने के लिए शिकायतकर्ता से 18 लाख रुपये मांगे। उक्त ठगों के द्वारा शिकायतकर्ता को रोजाना व्हाट्सएप कॉल की जाती थी और निवेश हेतु मांगे के रुपयों को किसी ट्रेड पोर्टल के माध्यम से निवेश करना बताया जाता था और शिकायतकर्ता को फोन पर डाउनलोड करायी गयी फर्जी वैबसाइट पर मुनाफा दिखाया जाता था एवं निकासी पर क्लिक करने पर 15 मिनट में पैसे प्राप्त होने की बात बतायी जाती थी लेकिन शिकायतकर्ता को कभी पैसे नहीं मिले तथा बात करने पर टालमटोल किया जाता रहा। इस प्रकार अज्ञात साइबर ठगों द्वारा शिकायतकर्ता इस पूरे प्रकरण में क्वांटम कैपिटल के माध्यम से 64,27,668/-रुपये और QYOU मीडिया के माध्यम से 78,75,987/- रुपये कुल 1,43,03,655/- (एक करोड तिरालीस लाख तीन हजार छः सौ पचपन) की साइबर धोखाधड़ी की गयी।

अभियोग की विवेचना साइबर थाने के निरीक्षक श्री विजय भारती के सुपुर्द कर घटना के शीघ्र अनावरण हेतु श्री अंकुश मिश्रा पुलिस उपाधीक्षक, साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन के कुशल नेतृत्व एवं निकट पर्यवेक्षण में टीम गठित कर समुचित दिशा-निर्देश दिये गये, कार्यवाही करते हुये साईबर क्राईम पुलिस टीम द्वारा घटना में प्रयुक्त बैंक खातों/मोबाइल नम्बरों तथा व्हाटसप की जानकारी हेतु सम्बन्धित बैंकों, सर्विस प्रदाता कम्पनी, तथा मेटा एवं गूगल आदि से पत्राचार कर डेटा प्राप्त किया गया ।

हरिद्वार सालाना निरीक्षण के लिए पुलिस लाइन रोशनाबाद पहुंचे एसएसपी प्रमेन्द्र सिंह डोबाल

हरिद्वार। एसएसपी प्रमेन्द्र सिंह ड़ोबाल वार्षिक निरीक्षण हेतु पुलिस लाईन रोशनाबाद पहुंचे। प्रातः आयोजित परेड की सलामी लेने के पश्चात श्री डोबाल द्वारा जवानों संग दौड़ लगाकर सभी की फिटनेस को चैक किया व तत्पश्चात जवानों की ड्रिल के अभ्यास को परखा साथ ही सभी राजपत्रित अधिकारियों को प्रत्येक टोली की ड्रिल अभ्यास को मॉनिटरिंग हेतु निर्देशित किया गया साथी परेड में उपस्थित जवानों का उचित मार्गदर्शन है तो कहा गया1 एसएसपी ने कहा कि पुलिस लाइन पुलिस विभाग का घर होता है जहां से पूरे जनपद की आवश्यक व्यवस्थाओ का संचालन होता है जिस हेतु हमें पुलिस लाइन की सभी व्यवस्थाओं को अपडेट रखना है क्षेत्राधिकारी पुलिस लाइन को निर्देशित किया गया कि पुलिस लाइन में समय-समय पर शस्त्र अभ्यास कराया जाए सांय की परेड में जवानों को खेल एवं व्यायाम करवाया जाए,साथ ही जवानों को मनोरंजन एवं उनकी समस्याओं का समाधान किया जाए 1

30 दिन में पैसा हो गया दोगुना, गिरते बाजार में रॉकेट बना यह शेयर, कीमत 10 रुपये से कम

शेयर मार्केट में पिछले काफी समय में गिरावट बनी हुई है। वहीं दूसरी तरफ काफी शेयर हुंकार भर रहे हैं। ये निवेशकों को धड़ाधड़ फायदा पहुंचा रहे हैं। इन्हीं में एक पेनी स्टॉक ने निवेशकों को 30 दिन यानी एक महीने में ही छप्परफाड़ रिटर्न देते हुए रकम दोगुनी कर दी है।

नई दिल्लीः शेयर मार्केट इस समय जहां गिरावट के दौर से गुजर रही है, वहीं इस गिरते मार्केट में कुछ शेयर रॉकेट बने हुए हैं। इनमें कई पेनी स्टॉक्स भी शामिल हैं। ये ऐसे स्टॉक हैं जिन्होंने निवेशकों को बेहद कम समय में जबरदस्त रिटर्न दिया है। इनमें कुछ ने निवेशकों की रकम एक महीने में ही दोगुनी कर दी है। ऐसे ही पेनी स्टॉक में जेम स्पिनर्स इंडिया लिमिटेड (Gem Spinners India Ltd) का शेयर भी शामिल है। इस शेयर की कीमत अभी 10 रुपये से कम है। इसने निवेशकों को 30 दिन यानी एक महीने में ही दोगुना रिटर्न दे दिया है। इसमें पिछले कई दिनों में 2 फीसदी का अपर सर्किट लग रहा है। आज यानी मंगलवार को भी शेयर मार्केट में गिरावट आई। वहीं दूसरी ओर इस शेयर में आज भी करीब 2 फीसदी का अपर सर्किट लग गया।

52 हफ्ते के हाई पर पहुंची कीमत इसकी कीमत अपने 52 हफ्ते के हाई पर पहुंच गई है। आज की कीमत 9.67 रुपये इसके 52 हफ्ते की हाई कीमत है। वहीं 52 हफ्ते की इसकी न्यूनतम कीमत 3.27 रुपये रही है। वैसे इसका ऑल टाइम हाई करीब 17 रुपये रहा है जो साल 2007 में था। **एक लाख के बना दिए दो लाख रुपये** इस शेयर ने एक महीने में करीब 104 फीसदी रिटर्न दिया है। एक महीने पहले इसके शेयर की कीमत 4.75 रुपये थी। अगर आपने एक महीने पहले इसमें एक लाख रुपये निवेश किए होते जो उन एक लाख रुपये की वैल्यू दो लाख चार हजार रुपये होती। यानी आपको एक महीने में ही एक लाख चार हजार रुपये का फायदा हो चुका होता।

6 महीने में भी जबरदस्त रिटर्न 6 महीने में भी इस शेयर ने निवेशकों को जबरदस्त रिटर्न दिया है। यह रिटर्न 193 फीसदी रहा है। 6 महीने पहले इसके शेयर की कीमत मात्र 3.30 रुपये थी। अगर आपने 6 महीने पहले इसके एक लाख रुपये के शेयर खरीदे होते तो आज उन एक लाख रुपये की वैल्यू 2.93 लाख रुपये होती। यानी आपको इतने समय में 1.93 लाख रुपये का प्रॉफिट हो चुका होता। **क्या करती है कंपनी**? यह कंपनी टेक्सटाइल इंडस्ट्री से जुड़ी है। कंपनी यार्न, फैब्रिक और गारमेंट बनाती है। कंपनी का ऑफिस चेन्नई में है। कंपनी की स्थापना 1994 में हुई थी। BSE की वेबसाइट पर मौजूद जानकारी के मुताबिक कंपनी का मार्केट कैप 59.35 करोड़ रुपये है।

जब गुल हुई बत्ती तो घुटने पर आया बांग्लादेश, अडानी से है कनेक्शन

गौतम अडानी समूह की एक कंपनी बांग्लादेश में बिजली सप्लाई करती है। जबसे बांग्लादेश में तख्तापलट हुआ है, तब से वहां से उसे पेमेंट में दिक्कत हो रही है। बकाया बढ़ रहा है। इसके बाद इसी महीने एक तारीख से अडानी पावर ने बांग्लादेश को बिजली की आपूर्ति आधी कर दी। इसके बाद क्या हुआ, जानिए।

नई दिल्लीः अडानी ग्रुप की कंपनी अडानी पावर झारखंड लिमिटेड (Adani Power Jharkhand Limited) बांग्लादेश को बिजली बेचती है। यह बिजली झारखंड के गोड्डा में बनती है। बांग्लादेश में तख्तापलट के बाद से ही अडानी पावर को पेमेंट में दिक्कत होने लगी थी। इसके बाद पिछले सप्ताह कंपनी ने बांग्लादेश को बड़ी चेतावनी देते हुए बिजली सप्लाई आधी कर दी थी। इसके बाद बांग्लादेश लाइन पर आता दिख रहा है। खबर आई है कि डेडलाइन से पहले ही पेमेंट शुरू कर दिया है।

झारखंड से बिजली का होता है निर्यात अडानी पावर झारखंड स्थित अपने प्लांट से 1,600 मेगावाट (MW) बिजली का निर्यात बांग्लादेश को करती है। मामले से परिचित तीन सूत्रों ने बताया कि इसने बकाया राशि के पेमेंट के लिए 7 नवंबर की डेडलाइन तय कर दी थी। चूंकि कंपनी आयातित कोयले से बिजली बनाती है। इसलिए पेमेंट नहीं मिलने से उसे कोयले की सप्लाई में चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

सप्लाई घट गई है बांग्लादेश पावर डेवलपमेंट बोर्ड के एक वरिष्ठ अधिकारी ने समाचार एजेंसी रॉयटर को बताया कि गौतम अडानी के स्वामित्व वाली कंपनी ने इस महीने बांग्लादेश को बिजली की आपूर्ति लगभग 1,400 मेगावाट से घटाकर 700-800 मेगावाट कर दी है। इससे घरेलू बिजली सप्लाई सुचारू रखने में दिक्कत आ रही है।

बांग्लादेश को है परेशानी साल 2022 में जबसे रूस ने यूक्रेन पर आक्रमण किया था, तभी से फ्यूल मार्केट (Fuel Market) में तेजी आ गई है। इसके साथ बांग्लादेश का इंपोर्ट बिल भी बढ़ गया है। इस वजह से वह अपने बिलों का भुगतान करने के लिए संघर्ष कर रहा है। अगस्त में पूर्व प्रधान मंत्री शेख हसीना को पद से हटाने के लिए राजनीतिक उथल-पुथल ने भी इसकी परेशानियों को बढ़ा दिया है।

पिछले महीने भुगतान हुआ था बांग्लादेश के अंतरिम सरकार में पावर और एनर्जी एडवाइजर मोहम्मद फौजुल कबीर खान ने रायटर को बताया "पिछले महीने, हमने $96 मिलियन का भुगतान किया। इस महीने भी अतिरिक्त 170 मिलियन डॉलर के लिए लेटर ऑफ क्रेडिट को ओपन किया गया है।" इससे एक महीने पहले इस मामले से परिचित सूत्रों ने रॉयटर्स को बताया कि बांग्लादेश अडानी पावर के साथ अपने अनुबंध की जांच कर रहा है, क्योंकि यह बांग्लादेश से भारत के अन्य निजी उत्पादकों की तुलना में लगभग 27% अधिक दर वसूल रहा है।

समस्या नहीं बताई थी अडानी पावर के मुख्य वित्तीय

अधिकारी दिलीप कुमार झा ने पिछले सप्ताह तिमाही आय सम्मेलन में कहा था कि बांग्लादेश को बिजली आपूर्ति से संबंधित कोई समस्या नहीं थी। उन्होंने कहा, "हमें उम्मीद है कि बकाया राशि के मामले में आगे कोई गिरावट नहीं होगी।"

बीते शुक्रवार को रूकी थी सप्लाई मीडिया रिपोर्ट के अनुसार शुक्रवार, 1 नवंबर को अडानी पावर की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी अडानी पावर झारखंड लिमिटेड (APJL) ने बांग्लादेश को अपनी आधी बिजली आपूर्ति रोक दी थी। इसका कारण 846 मिलियन अमरीकी डालर के बकाया बिलों का भुगतान नहीं होना था। द डेली स्टार अखबार ने खबर दी थी कि पावर ग्रिड बांग्लादेश पीएलसी के डेटा से पता चला है कि अडानी प्लांट ने गुरुवार रात को आपूर्ति कम कर दी है।

अमेरिका, जापान, चीन, भारत कहीं नहीं हैं रेस में, इन मुस्लिम देशों में हैं सबसे ज्यादा इंटरनेट यूजर्स

इंटरनेट यूज करने वाले लोगों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। दुनिया में 63% लोग इंटरनेट का यूज करते हैं। यह संख्या अलग-अलग देशों में अलग-अलग है। आबादी के लिहाज से देखा जाए तो भारत और चीन बहुत आगे हैं। लेकिन परसेंटेज के हिसाब से ये देश बहुत पीछे हैं।

नई दिल्लीः भारत में इंटरनेट यूज करने वालों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि दुनिया में सबसे ज्यादा किस देश के लोग इंटरनेट का इस्तेमाल करते हैं? शायद आपका जवाब अमेरिका, जापान या चीन हो सकता है। लेकिन ये देश तो टॉप 10 में भी नहीं हैं। भारत को इस लिस्ट में बहुत पीछे है। इंटरनेशनल टेलीकम्युनिकेशन यूनियन के डेटाबेस के मुताबिक दुनिया में इंटरनेट का सबसे ज्यादा यूज करने वाले देशों में सऊदी अरब और यूएई सबसे आगे हैं। इन देशों में 100% लोग इंटरनेट का यूज करते हैं। दूसरी ओर नॉर्थ कोरिया में एक भी व्यक्ति इंटरनेट का इस्तेमाल नहीं करता है। दुनिया में औसतन 63% लोग इंटरनेट का इस्तेमाल करते हैं। इंटरनेट यूजर्स का मतलब ऐसे लोगों से है जिन्होंने पिछले तीन महीने में किसी भी लोकेशन से इंटरनेट का यूज किया है। इंटरनेट का इस्तेमाल कंप्यूटर, मोबाइल, पर्सनल डिजिटल असिस्टेंट, गेम मशीन या डिजिटल टीवी से किया जा सकता है। इस्लामी देश सऊदी अरब और यूएई में 100% लोग इंटरनेट का इस्तेमाल करते हैं। इस लिस्ट में अगले नंबर पर नॉर्वे है जहां 99 फीसदी लोग इंटरनेट यूज करते हैं। फिर डेनमार्क (98%), साउथ कोरिया (97%), यूके (97%), स्विट्जरलैंड (96%), ऑस्ट्रेलिया (96%), स्वीडन (95%), स्पेन (94%) और ऑस्ट्रिया (94%) का नंबर है।

भारत का हाल फिनलैंड, कनाडा, अमेरिका, जर्मनी और रूस में इंटरनेट यूज करने वालों की तादाद 90 फीसदी से अधिक है। इसी तरह अर्जेंटीना, फ्रांस, इटली, तुर्की, जापान और ब्राजील में 80% से अधिक लोग इंटरनेट का यूज करते हैं। यूक्रेन, ईरान, चीन, मेक्सिको, मिस्र, साउथ अफ्रीका और क्यूबा में इंटरनेट यूजर्स की संख्या 70 फीसदी से अधिक है। इंडोनेशिया और वेनेजुएला में इंटरनेट यूजर्स की संख्या 60 फीसदी से अधिक है। भारत में 46% लोग इंटरनेट का यूज करते हैं। बांग्लादेश में यह संख्या 39%, पाकिस्तान में 21% और अफगानिस्तान में 18 फीसदी है।

रिलायंस जियो आईपीओः मुकेश अंबानी कब लाने जा रहे हैं देश का सबसे बड़ा पब्लिक इश्यू? पूरी डिटेल

रिलायंस जियो अगले साल अपना आईपीओ ला सकती है। रिपोर्टों के मुताबिक, इसके देश का सबसे बड़ा पब्लकि इश्यू होने के आसार हैं। रिलायंस रिटेल का आईपीओ 2025 के बाद आ सकता है। रिलायंस इंडस्ट्रीज (RIL) ने अपने डिजिटल, टेलीकॉम और रिटेल कारोबार के लिए 25 अरब डॉलर जुटाए हैं।

नई दिल्लीः मुकेश अंबानी की टेलीकॉम कंपनी रिलायंस जियो पर बड़ा अपडेट है। यह अगले साल अपना आईपीओ ला सकती है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, यह भारत का सबसे बड़ा पब्लिक इश्यू हो सकता है। कंपनी चाहती है कि पहले जियो का आईपीओ आए और उसके बाद रिटेल बिजनेस का। विश्लेषकों का मानना है कि जियो का बाजार मूल्य 100 अरब डॉलर से ज्यादा है।

रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआईएल) ने अभी तक आईपीओ की कोई आधिकारिक तारीख नहीं बताई है। हालांकि, 2019 में कंपनी ने कहा था कि टेलीकॉम और रिटेल दोनों बिजनेस अगले 5 सालों में लिस्ट हो जाएंगे। रॉयटर्स ने सूत्रों के हवाले से बताया कि रिलायंस इंडस्ट्रीज ने जियो के आईपीओ की योजना बना ली है। कंपनी को लगता है कि जियो अब स्थिर हो गई है। 47.9 करोड़ सब्सक्राइबर के साथ जियो भारत की नंबर 1 टेलीकॉम कंपनी है।

रिटेल बिजनेस के आईपीओ के लिए अभी थोड़ा इंतजार करना पड़ेगा। सूत्रों के मुताबिक, रिटेल बिजनेस 2025 से पहले लिस्ट नहीं होगा। कंपनी पहले अपने आंतरिक बिजनेस और संचालन संबंधी चुनौतियों का समाधान करना चाहती है।

पिछले कुछ सालों में मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज ने अपने डिजिटल, टेलीकॉम और रिटेल बिजनेस के लिए 25 अरब डॉलर जुटाए हैं। इन्वेस्टर्स में केकेआर, जनरल अटलांटिक और अबूधाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी जैसी बड़ी कंपनियां शामिल हैं। इन इन्वेस्टमेंट्स के बाद जियो और रिटेल दोनों बिजनेस का बाजार मूल्य 100 अरब डॉलर से ज्यादा हो गया है।

कैसा रहा है कंपनी का प्रदर्शन? दूसरी तिमाही में जियो प्लेटफॉर्म्स का एकीकृत शुद्ध लाभ 23.4% बढ़कर 6,539 करोड़ रुपये हो गया। औसत राजस्व प्रति उपयोगकर्ता (एआरपीयू) बढ़कर 195.1 रुपये प्रति माह पर पहुंच गया। टैरिफ में बढ़ोतरी और बेहतर ग्राहक मिश्रण के चलते ऐसा हुआ। रिलायंस इंडस्ट्रीज के टेलीकॉम और डिजिटल व्यवसायों वाली कंपनी जियो प्लेटफॉर्म्स का परिचालन से राजस्व तिमाही में 18% बढ़कर 31,709 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने कहा था कि टैरिफ बढ़ोतरी का पूरा असर अगली 2-3 तिमाहियों में दिखाई देगा।

टाटा फैमिली में 13 साल में पहली बार हुआ यह काम, रतन टाटा के निधन के बाद क्या बदल गया?

रतन टाटा के सौतेले भाई नोएल टाटा को हाल में टाटा ट्रस्ट्स का चेयरमैन नियुक्त किया गया था। अब उन्हें टाटा ग्रुप की होल्डिंग कंपनी टाटा संस के बोर्ड में भी शामिल कर लिया गया है। 2011 के बाद से वह टाटा परिवार के पहले सदस्य होंगे जो एक साथ टाटा ट्रस्ट्स और टाटा संस दोनों के बोर्ड में शामिल होंगे।

नई दिल्लीः नोएल टाटा को टाटा ग्रुप की होल्डिंग कंपनी टाटा संस के बोर्ड में शामिल किया गया है। उनकी नियुक्ति टाटा ट्रस्ट्स के नामित सदस्य के रूप में हुई है। पिछले महीने रतन टाटा के निधन के बाद उन्हें टाटा ट्रस्ट्स का चेयरमैन नियुक्त किया गया था। सूत्रों ने बताया कि दिवाली की पूर्व संध्या पर आयोजित टाटा संस की एक वर्चुअल मीटिंग में इस आशय का एक ऑनलाइन प्रस्ताव पारित किया गया। नोएल टाटा ग्रुप की अन्य कंपनियों के बोर्ड में बने हुए हैं। 2011 के बाद से वह टाटा परिवार के पहले सदस्य होंगे जो एक साथ टाटा ट्रस्ट्स और टाटा संस दोनों के बोर्ड में शामिल होंगे। टाटा ट्रस्ट्स के पास टाटा संस में 66% हिस्सेदारी है।

67 वर्षीय नोएल टाटा के शामिल होने के साथ अब टाटा संस के बोर्ड में टीवीएस के मानद चेयरमैन वेणु श्रीनिवासन और रक्षा मंत्रालय के पूर्व नौकरशाह विजय सिंह के साथ टाटा ट्रस्ट्स के तीन नामित डायरेक्टर हैं। नोएल टाटा, सिंह, श्रीनिवासन और मेहली मिस्त्री वर्तमान में टाटा ट्रस्ट्स को नियंत्रित करने वाली कार्यकारी समिति का हिस्सा हैं। इस बारे में टाटा संस ने कोई टिप्पणी नहीं की।

टाटा संस का बोर्ड टाटा संस के आर्टिकल्स ऑफ एसोसिएशन के मुताबिक टाटा ट्रस्ट्स बोर्ड के एक तिहाई डायरेक्टर्स को नामित कर सकते हैं। वर्तमान में, टाटा संस बोर्ड में नौ डायरेक्टर हैं। इनमें चेयरमैन एन चंद्रशेखरन सहित दो एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर, नोएल टाटा, श्रीनिवासन और सिंह सहित तीन नॉन-एक्जीक्यूटिव डायरेक्टरऔर चार इंडिपेंडेंट डायरेक्टर शामिल हैं। सूत्रों के अनुसार नियुक्ति के बाद नोएल टाटा ने चंद्रशेखरन से मुलाकात की। नोएल टाटा अभी टाटा इन्वेस्टमेंट कॉर्प, ट्रेंट और वोल्टास के नॉन-एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर और चेयरमैन के रूप में कार्य करते हैं। साथ ही वह टाइटन और टाटा स्टील में वाइस-चेयरमैन और नॉन-एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर का पद भी संभाल रहे हैं। रतन टाटा टाटा ट्रस्ट के चेयरमैन और टाटा संस के चेयरमैन एमेरिटस थे। 2022 में टाटा संस बोर्ड ने अपने एओए में संशोधन किया था ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि एक ही व्यक्ति दोनों का प्रमुख न हो।

रिटायरमेंट की उम्र नोएल टाटा ने 65 वर्ष की आयु में ग्रुप की कंपनियों में अपना एग्जीक्यूटिव रोल छोड़ दिया था। ग्रुप में इस उम्र में रिटायर होना पड़ता है। एग्जीक्यूटिव्स के लिए भी 70 वर्ष की आयु में सभी बोर्ड पदों को छोड़ना अनिवार्य है। हालांकि, ट्रस्टी या चेयरमैन के लिए रिटायरमेंट की कोई उम्र नहीं है। ग्रुप के करीबी विशेषज्ञों ने कहा कि नोएल टाटा के ग्रुप कंपनियों के चेयरमैन बने रहने पर कोई कानूनी समस्या नहीं हैं क्योंकि यह एक गैर-कार्यकारी भूमिका है। अप्रैल 2014 में नोएल टाटा ग्रुप की रिटेल डिवीजन ट्रेंट के चेयरमैन बने। उन्होंने एफएच कवारना की जगह ली थी। उनके नेतृत्व में ग्रुप की रिटेल चेन का रेवेन्यू 430% बढ़कर वित्त वर्ष 2014 में 2,333 करोड़ रुपये से बढ़कर वित्त वर्ष 2024 में 12,375 करोड़ रुपये हो गया। इस दौरान कंपनी 19 करोड़ रुपये के घाटे से उबरकर 1,477 करोड़ रुपये के प्रॉफिट पर पहुंच गई।

कंपनियों का प्रदर्शन अगस्त 2017 में नोएल टाटा ने वोल्टास के चेयरमैन का पद संभाला। तब से कंपनी का राजस्व वित्त वर्ष 2017 में 6,404 करोड़ रुपये से दोगुना होकर वित्त वर्ष 2024 में 12,481 करोड़ रुपये हो गया। अगस्त 2017 से कंपनी के शेयर में लगभग 300% की ग्रोथ हुई है। टाटा इन्वेस्टमेंट कॉर्प मुख्य रूप से लिस्टेड और नॉन-लिस्टेड इक्विटी शेयरों में निवेश करने में लगी हुई है। पिछले पांच वर्षों में कंपनी के शेयर ने 705% रिटर्न दिया है। इस दौरान निफ्टी ने 102% रिटर्न दिया है।

पीते-पीते आया आइडिया, 'देसी' को बना दिया ब्रांड, अब करोड़ों की कंपनी के मालिक

पंजाब के सौरभ मुंजाल ने अपने भाइयों सौरभ भुटना और निखिल डोडा के साथ मिलकर लाहौरी जीरा नाम की देसी ड्रिंक कंपनी की शुरुआत की है। यह कंपनी हर दिन 20 लाख बोतलें बनाती है। इस कंपनी की कमाई करोड़ों में है।

नई दिल्लीः पंजाब के सौरभ मुंजाल ने अपने दो भाइयों सौरभ भुटना और निखिल डोडा के साथ मिलकर कुछ साल पहले 'लाहौरी जीरा' की शुरुआत की। यह एक हेल्दी देसी ड्रिंक ब्रांड है। लाहौरी जीरा की हर दिन 20 लाख बोतलें बनती हैं। सौरभ को एहसास हुआ था कि देसी ड्रिंक के क्षेत्र में बहुत ज्यादा प्रतिस्पर्धा नहीं है। उनका टारगेट 1000 करोड़ रुपये का राजस्व हासिल करना है। आइए, यहां सौरभ मुंजाल की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं। **कर रखा है एमबीए** सौरभ मुंजाल एमबीए ग्रेजुएट हैं। उन्होंने 2012 में अपना खुद का ट्रेड फाइनेंस बिजनेस शुरू किया था। इसके बाद सौरभ ने हेरिटेज हवेली नाम से एक हॉस्पिटैलिटी बिजनेस भी शुरू किया। फिर अपने भाइयों निखिल मुंजाल और सौरभ भुटना के साथ मिलकर 2017 में उन्होंने आर्चियन फूड्स की नींव रखी। यह 'लाहौरी जीरा' की पैरेंट कंपनी है। **ऐसे आया आइडिया** लाहौरी जीरा की कहानी की शुरुआत निखिल के घर पर बने जीरा ड्रिंक से हुई। सौरभ मुंजाल और सौरभ भुटना ने इसे चखा तो उन्हें पीते-पीते एहसास हुआ कि यह एक बेहतरीन बिजनेस आइडिया हो सकता है। उन्होंने देखा कि मार्केट में नैचुरल डेजर्ट ड्रिंक की कमी है। इसी कमी को पूरा करने के लिए उन्होंने लाहौरी जीरा की शुरुआत की। लाहौरी जीरा का नाम इसके मुख्य इंग्रीडिएंट सेंधा नमक से प्रेरित है। 'लाहौरी'

शब्द इसी से जुड़ा है। यह एक अनोखा बिना अल्कोहल वाला पेय है। इसे स्थानीय रूप से उपलब्ध सामग्री का इस्तेमाल करके बनाया गया है। लाहौरी जीरा का अनोखा देसी स्वाद ग्राहकों को काफी पसंद आया और यह चाय, कॉफी और कोला जैसे पारंपरिक पेय पदार्थों का बेहतरीन विकल्प बन गया। बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए कंपनी ने बोतल पैकेजिंग के लिए पूरी तरह से ऑटोमैटिक प्रोसेस का उपयोग करके प्रति दिन अधिक बोतलें बनाने का फैसला किया। ब्रांड अपने ऑनलाइन और तकनीकी रूप से सक्षम व्यावसायिक नजरिये के कारण बड़े पैमाने पर ग्राहकों तक पहुंचने में समर्थ हुआ। **करोड़ों की बन चुकी है कंपनी** लाहौरी जीरा की लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इसकी शुरुआत सिर्फ पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और उत्तर प्रदेश में हुई थी। 2022 तक यह 8 अन्य राज्यों में भी उपलब्ध हो गई। कंपनी के पास 500 से ज्यादा डिस्ट्रीब्यूटर का नेटवर्क है। कंपनी ने अपने उत्पादों की रेंज का विस्तार किया है। अब जीरा के अलावा यह नींबू, कच्चा आम, शिकंजी और इमली के स्वादों में भी उपलब्ध है। वर्तमान में कंपनी प्रतिदिन 20 लाख से अधिक बोतलें बनाती है। लाहौरी जीरा ने 2021 में 80 करोड़ रुपये का रेवेन्यू हासिल किया था, जो 2022 में बढ़कर 250 करोड़ रुपये हो गया। टारगेट इस रेवेन्यू को बढ़ाकर 1000 करोड़ रुपये तक पहुंचाने का है।

100, 200, 300 नहीं... पूरे 13000 पुराने एम्प्लॉई की हुई 'घर वापसी'

किसी कंपनी में पुराने एम्प्लॉई का वापस लौटना कई मायनों में खास होता है। हालांकि ऐसा बहुत कम होता है जब बड़ी संख्या में उस कंपनी में पुराने कर्मचारी लौट आएं। ऐसा ही कुछ हुआ है अमेरिका की आईटी कंपनी कॉग्निजेंट के साथ। इसमें करीब 13 हजार पुराने कर्मचारी फिर से लौट आए हैं।

नई दिल्लीः किसी कंपनी को छोड़ने के बाद ऐसे बहुत कम एम्प्लॉई होते हैं जो पुरानी कंपनी में वापस आते हैं। ऐसी कंपनी जिसमें ग्रोथ दिखाई न दे रही हो, उसमें शायद ही कोई एम्प्लॉई वापस लौटना चाहेगा। लेकिन क्या ऐसा हो सकता है कि किसी कंपनी में 100, 200 नहीं, बल्कि पूरे 13000 एम्प्लॉई वापस लौट आएं? ऐसा ही हुआ है नैस्डैक-लिस्टेड अमेरिकी आईटी कंपनी कॉग्निजेंट (Cognizant) के साथ। कॉग्निजेंट में करीब 13000 एम्प्लॉई वापस लौट आए हैं। इन एम्प्लॉई के वापस आने पर कंपनी के सीईओ रवि कुमार का कहना है कि कंपनी का जोश वापस आ गया है। रवि कुमार के मुताबिक ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि कंपनी अपनी पिछली चुनौतियों से उबर गई है। साथ ही कंपनी अब विकास और स्थिरता की ओर लौट आई है। तीसरी तिमाही में कॉग्निजेंट से कुल करीब 3800 एम्प्लॉई जुड़े। इन हालिया नियुक्तियों के बावजूद, कॉग्निजेंट के कुल कर्मचारियों की संख्या अभी भी साल-दर-साल 6500 कम है। टाइम्स ऑफ इंडिया के मुताबिक कंपनी के Q3 FY24 के परिणामों के बाद कुमार ने कहा, 'हमारे आस-पास चर्चा बहुत अधिक है... आप लिंक्डइन ट्रैफिक भी देख सकते हैं जो कंपनी के बारे में बात कर रहा है। कंपनी का जादू वापस आ गया है। जो पहले कॉग्निजेंट में काम कर चुके हैं और अब वापस आना चाहते हैं। हम अगले साल से बड़े पैमाने पर कैंपस में भी जा रहे हैं।' कॉग्निजेंट के रेवेन्यू में भी बेहतरी के संकेत दिखाई दे रहे हैं। कंपनी के मुख्य वित्तीय अधिकारी जतिन दलाल ने कहा कि कंपनी अपनी भर्ती जारी रखने की योजना बना रही है। उन्होंने कहा, 'अगर आप इस तिमाही में वॉल्यूम वृद्धि को देखें तो यह निरंतर मुद्रा वृद्धि में 3.5 फीसदी है। अगर हम हर तिमाही में रेवेन्यू में वृद्धि दर्ज कर रहे हैं तो हमें बाजार से शीर्ष प्रतिभाओं तक पहुंचने और उन्हें नियुक्त करने की आवश्यकता है।' कंपनी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के इस्तेमाल पर जोर दे रही है।

मोदी और ट्रंप का 600 अरब डॉलर का प्लान, खुश हो गया दोस्त इजरायल, सऊदी की बल्ले-बल्ले तो चीन को मिलेगी मात

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच इंडिया मिडलि ईस्ट यूरोप इकनॉमिक कॉरिडोर को लेकर बातचीत हुई है। यह कॉरिडोर गाजा युद्ध की वजह से फंस गया है। इस कॉरिडोर से चीन के बीआरआई को टक्कर मिलेगी। इस वजह से अमेरिका इसे आगे बढ़ा रहा है।

तेलअवीवः अमेरिका के दौरे पहुंचे भारतीय प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक ऐसा ऐलान किया है जिससे दोनों देशों के करीबी दोस्त इजरायल की बांछे खिल गई हैं। असल में ट्रंप ने भारत और अमेरिका के बीच में एक व्यापारिक मार्ग पर जोर दिया है। यह ट्रेड रूट इजरायल होकर जाएगा। ट्रंप ने कहा कि यह रास्ता भारत से इजरायल वहां से इटली और इसके आगे अमेरिका तक जाएगा। उन्होंने कहा कि यह रास्ता अमेरिका के सहयोगी देशों को बंदरगाह, रेलवे और समुद्र के नीचे केबल के जरिए जोड़ेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि अमेकिरा और भारत मिलकर इतिहास के सबसे महान व्यापारिक मार्गों में से एक पर मिलकर काम करेंगे। ट्रंप का इशारा इंडिया मिडलि ईस्ट यूरोप इकनॉमिक कॉरिडोर की ओर है जो चीन के बेल्ट एंड रोड के जवाब में अमेरिका और भारत मिलकर बनाने जा रहे हैं। डोनाल्उ ट्रंप यूं ही भारत और इजरायल को जोड़ने वाले कॉरिडोर की तारीफ नहीं कर रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप के निशाने पर अब चीन है और इस कॉरिडोर के जरिए वह खाड़ी देशों में ड्रैगन के बढ़ते प्रभाव को कम करना चाहते हैं। IMEC कॉरिडोर यूएई और सऊदी अरब के रास्ते होकर जाएगा। अगर यह कॉरिडोर सफल होता है तो इससे इजरायल और सऊदी के बीच रिश्तों में तनाव कम होगा। पीएम मोदी ने फ्रांस के राष्ट्रपति के साथ मुलाकात के बाद इस कॉरिडोर की जमकर तारीफ की है। उन्होंने कहा कि यह कॉरिडोर द्विपक्षीय हितों, रणनीतिक सप्लाई चेन को बढ़ाने और आर्थिक, ऊर्जा और स्वास्थ्य सेक्टर में न केवल भारत, यूरोप और मिडिल ईस्ट में सुरक्षा को मजबूत करेगा।' **यूरोप का प्रवेश द्वार बनेगा यह कॉरिडोर** पीएम मोदी और फ्रांसीसी राष्ट्रपति ने इस बात पर जोर दिया कि IMEC कनेक्टिवटी को बढ़ाएगा। IMEC को साल 2023 में दिल्ली में हुए जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान शुरू किया गया था। इसको लेकर भारत, अमेरिका, यूएई, सऊदी अरब, फ्रांस, जर्मनी, इटली और यूरोपीय संघ के बीच एक एमओयू पर हस्ताक्षर हुआ था। इसके बाद गाजा युद्ध शुरू हो गया और यह पूरा कॉरिडोर ठंडे बस्ते में चला गया। हालांकि अब गाजा में सीजफायर और ट्रंप के आने के बाद एक बार फिर से इस यह प्रोजेक्ट रफ्तार पकड़ सकता है। यह कॉरिडोर भारत, यूरोप और खाड़ी देशों को जोड़ देगा। इससे भारत के यूरोप जाने का स्वेज नहर के अलावा एक और रास्ता खुल सकता है।

कनाडा ने इमिग्रेशन अधिकारियों को स्टडी और वर्क परमिट रद्द करने के लिए दी ज्यादा शक्ति

ये बदलाव कनाडा के इमिग्रेशन सिस्टम की विश्वसनीयता बढ़ाने और यह सुनिश्चित करने के लिए किए गए हैं कि अस्थायी निवासी अपने वीजा की शर्तों का पालन करें। पहले, अधिकारी आवेदनों को अस्वीकार कर सकते थे, लेकिन जारी किए गए परमिट को रद्द करने का उनका अधिकार सीमित था। नए नियम इस कमी को दूर करते हैं। अगर कोई परमिट धारक अब पात्रता मानदंडों को पूरा नहीं करता है तो सरकार तुरंत कार्रवाई कर सकती है।

ओटावाः कनाडा ने अपने इमिग्रेशन नियमों को सख्त कर दिया है। बॉर्डर और इमिग्रेशन अफसरों को अब स्टडी और वर्क परमिट जैसे अस्थायी निवास दस्तावेजों को रद्द करने का अधिकार मिल गया है। ये बदलाव 'इमिग्रेशन, रेफ्यूजीज एंड सिटिजनशिप कनाडा' (IRCC) ने 31 जनवरी, 2025 से लागू कर दिए हैं। ये बदलाव कनाडा गजट II में प्रकाशित हुए हैं। ईटी की रिपोर्ट के मुताबिक, IRCC ने एक बयान में कहा, "IRCC हमारी सीमाओं को सुरक्षित रखने और कनाडा के इमिग्रेशन सिस्टम की रक्षा के लिए प्रक्रियाओं में सुधार और उपकरणों में निवेश जारी रखेगा।"

नए नियमों के तहत, अगर कोई व्यक्ति अयोग्य हो जाता है, झूठी जानकारी देता है, उसका आपराधिक रिकॉर्ड है या उसकी परिस्थितियां बदल जाती हैं तो अधिकारी इलेक्ट्रॉनिक ट्रैवल ऑथराइजेशन (eTA) और टेंपरेरी रेजिडेंट वीजा (TRV) रद्द कर सकते हैं। इसके अलावा, अब कुछ खास स्थितियों, जैसे कि अगर परमिट धारक स्थायी निवासी बन जाता है, उसकी मृत्यु हो जाती है या अगर दस्तावेज प्रशासनिक गलती के कारण जारी किया गया था तो स्टडी और वर्क परमिट भी रद्द किए जा सकते हैं। **क्यों किए गए ये बदलाव**? ये बदलाव कनाडा के इमिग्रेशन सिस्टम की विश्वसनीयता बढ़ाने और यह सुनिश्चित करने के लिए किए गए हैं कि अस्थायी निवासी अपने वीजा की शर्तों का पालन करें। पहले, अधिकारी आवेदनों को अस्वीकार कर सकते थे, लेकिन जारी किए गए परमिट को रद्द करने का उनका अधिकार सीमित था। नए नियम इस कमी को दूर करते हैं। अगर कोई परमिट धारक अब पात्रता मानदंडों को पूरा नहीं करता है तो सरकार तुरंत कार्रवाई कर सकती है। नियमों में ये संशोधन ऐसे समय में किया गया है जब कनाडा के अस्थायी निवास कार्यक्रमों, खासकर स्टडी परमिट सिस्टम की जांच बढ़ रही है। स्टडी परमिट के लिए आवेदनों में तेजी से वृद्धि हुई है। संघीय सरकार स्टडी परमिट के दुरुपयोग को रोकने के लिए काम कर रही है। जिसमें फर्जी स्वीकृति पत्रों और अनधिकृत प्रवास की चिंताओं को दूर करना शामिल है। कनाडा ने 2024 में 374,832 नए नागरिकों को जोड़ा, प्रतिबंधों के बावजूद नागरिकता पाने वालों में भारतीय सबसे ज्यादा दुरुपयोग को रोकने के अलावा, अपडेट किए गए नियम व्यापक सुरक्षा उद्देश्यों का समर्थन करते हैं। अधिकारी अब दस्तावेजों को रद्द कर सकते हैं यदि उन्हें लगता है कि कोई व्यक्ति अपनी अधिकृत अवधि से ज्यादा समय तक रुक सकता है या यदि कोई परमिट खो गया है, चोरी हो गया है या छोड़ दिया गया है। यह कनाडा के उन प्रयासों के अनुरूप है जिनमें वास्तविक यात्रियों और श्रमिकों के देश में सुचारू रूप से प्रवेश सुनिश्चित करते हुए सीमा नियंत्रण को कड़ा रखा जाता है।

मोदी-ट्रंप मुलाकात के बाद रास्ते पर आएगा बांग्लादेश? भारतीय विदेश मंत्रालय ने बताया मोहम्मद यूनुस को लेकर क्या है आगे का प्लान

भारतीय विदेश मंत्रालय ने बताया है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और डोनाल्ड ट्रंप के बीच हुई द्विपक्षीय बैठक में बांग्लादेश का मुद्दा उठाया गया था। बांग्लादेश में पिछले साल अगस्त में शेख हसीना की सरकार का पतन हुआ था। उसके बाद से देश में मोहम्मद यूनुस की नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार है, जिसके भारत के साथ खराब संबंध हैं।

__वॉशिंगटनः__ भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिका के राष्ट्रपति के बीच वॉशिंगटन में मुलाकात हुई है। भारत और अमेरिका के बीच हुए द्विपक्षीय बैठक के बाद ज्वाइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया था। इस दौरान अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बांग्लादेश पर पूछे गये सवाल को टाल दिया। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने शुक्रवार को वाइट हाउस में बांग्लादेश में चल रहे संकट में अमेरिकी सरकार की किसी भी भूमिका से इनकार कर दिया है। इसके अलावा उन्होंने कहा कि 'बांग्लादेश का मुद्दा मैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर छोड़ता हूं।' इस ज्वाइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने कहा है, कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ बैठक के दौरान बांग्लादेश में हाल के घटनाक्रम पर चिंताओं को उनके साथ शेयर किया है। वाइट हाउस में प्रधानमंत्री मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति के बीच बैठक के बाद एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए विदेश सचिव ने कहा कि दोनों नेताओं के बीच इस विषय पर चर्चा हुई। इसके साथ ही उन्होंने उम्मीद जताई कि भारत के पड़ोसी देश की स्थिति दोनों देशों के बीच 'स्थिर और रचनात्मक' संबंधों की दिशा में आगे बढ़ेगी। आपको बता दें कि पिछले साल बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन हुआ था और शेख हसीना को भागकर भारत आना पड़ा था। उसके बाद से बांग्लादेश में मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में एक अंतरिम सरकार है, जिसके भारत के साथ संबंध काफी खराब हो चुके हैं। __बांग्लादेश पर पीएम मोदी और ट्रंप में क्या बात हुई__? भारतीय विदेश सचिव ने एक पत्रकार के सवाल के जवाब में कहा कि 'यह एक ऐसा विषय था जिस पर दोनों नेताओं के बीच चर्चा हुई। प्रधानमंत्री ने बांग्लादेश में हाल की घटनाओं और भारत द्वारा स्थिति को देखने के संबंध में अपने विचार और वास्तव में अपनी चिंताएं साझा कीं... हमें उम्मीद है कि बांग्लादेश में स्थिति भी उस दिशा में आगे बढ़ेगी जहां हम उनके साथ रचनात्मक और स्थिर तरीके से संबंधों को आगे बढ़ा सकते हैं। लेकिन उस स्थिति के बारे में चिंताएं हैं। और प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति ट्रम्प के साथ उन विचारों को साझा किया।' इससे पहले, प्रधानमंत्री मोदी के साथ बैठक के बाद व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति ट्रम्प ने कहा था कि बांग्लादेश की स्थिति अमेरिका के 'डीप स्टेट' से संबंधित नहीं थी। उन्होंने कहा कि वह इस मामले

को भारतीय प्रधानमंत्री पर छोड़ देंगे। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, 'हमारे डीप स्टेट की कोई भूमिका नहीं थी...यह कुछ ऐसा है जिस पर प्रधानमंत्री लंबे समय से काम कर रहे हैं...सच कहूं तो, मैं इसके बारे में पढ़ रहा हूं, मैं बांग्लादेश को प्रधानमंत्री पर छोड़ दूंगा।' अगस्त 2024 में छात्रों के हिंसक प्रदर्शन के बाद शेख हसीना को देश छोड़कर भागना पड़ा था। उसके बाद से वो भारत में रह रही हैं। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने हिंसक प्रदर्शन में मरने वालों की संख्या 600 बताई है लेकिन यूनाइटेड नेशंस ने मौतौ का आंकड़ा 1400 के करीब बताया है। यूएन ने शेख हसीना की सरकार पर लोगों का कत्ल करने के आरोप लगाए हैं। पिछले साल विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने दिसंबर में बांग्लादेश का दौरा किया था। इस दौरान भारत और बांग्लादेश 'अच्छे कामकाजी संबंध' बनाए रखने पर सहमत हुए थे।

रूसी कंपनी ने बीयर कैन पर महात्मा गांधी की तस्वीर लगाई, सोशल मीडिया पर आलोचना

रूस की एक बीयर बनाने वाली कंपनी ने बीयर कैन पर महात्मा गांधी की तस्वीर लगाई है। गुरुवार को इसका वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया। इसमें एक व्यक्ति कहता सुनाई दिया- 'यहां महात्मा गांधी के नाम पर बीयर बेची जा रही है और हम उन्हें अपनी करेंसी पर छापते हैं।'

बीयर बनाने वाली इस कंपनी का नाम रिवॉर्ट है। सोशल मीडिया पर लोग इसकी आलोचना कर रहे हैं। लोगों का कहना है कि यह महात्मा गांधी का अपमान है क्योंकि वे शराब से दूर रहते थे। कुछ लोगों ने X पर पीएम मोदी से अपील की है कि वे इस मामले में दखल दें और इस बीयर कैन से महात्मा गांधी की तस्वीर हटवाएं। अंतरराष्ट्रीय मामलों से जुड़ी आज की अन्य बड़ी खबरें...

अमेरिकी विदेश मंत्री को यूरोप ले जा रहा प्लेन तकनीकी गड़बड़ के चलते आधे रास्ते से वापस लौटा अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो को जर्मनी के म्युनिख ले जा रहे एयर फोर्स प्लेन को उड़ान भरने के कुछ देर बाद ही वापस लौटना पड़ा। विमान में तकनीकी खराबी आ गई थी। एक अधिकारी ने बताया कि वॉशिंगटन के बाहर जॉइंट बेस एंड्रयूज से उड़ान भरने के 90 मिनट बाद ही विमान के कॉकपिट विंडशील्ड में कुछ दिक्कत आ गई थी। अब विदेश मंत्री को दूसरे विमान से म्यूनिख रवाना किया जाएगा। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की का दावा- रूस ने चेर्नोबिल में परमाणु रिएक्टर पर ड्रोन से हमला किया यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने रूस पर चेर्नोबिल परमाणु रिएक्टर पर ड्रोन हमले का आरोप लगाया है। जेलेंस्की ने बताया

कि गुरुवार को देर रात एक रूसी ड्रोन ने हाई एक्सप्लोसिव वारहेड से चेर्नोबिल परमाणु रिएक्टर के सेफ्टी कवच पर हमला किया। इस हमले से इमरात में आग लग गई थी, जिसे बुझा दिया गया है। इस हमले से अभी तक रेडिएशन का लेवल बढ़ने की कोई खबर नहीं है। इंटरनेशनल एटॉमिक एनर्जी एजेंसी ने कहा कि हमला स्थानीय समयानुसार सुबह 1:50 बजे हुआ।

ब्रिटेन में भारतवंशी महिला को नस्लीय गाली दीःट्रेन में अप्रवासी शब्द सुनते ही भड़का शराबी, कहा- भारत पर हमने राज किया

लंदन ब्रिटेन में लंदन से मैनचेस्टर जा रही ट्रेन में नशे में धुत शराबी ने एक भारतीय मूल की ब्रिटिश महिला के साथ नस्लीय दुर्व्यवहार किया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। मेट्रो न्यूज के मुताबिक रविवार को यह हादसा तब हुआ जब भारतीय मूल की गैब्रिएल फोर्सिथ ट्रेन से घर लौटते वक्त अपने दोस्त से बात कर रही थीं। गैब्रिएल ने दोस्त को बताया कि उन्होंने अप्रवासियों की मदद करने वाली चैरिटी के साथ काम किया है। इसे सुनकर शराबी ने चिल्लाना शुरू कर दिया और नस्लीय गाली देने लगा। उसने डींग हांकते हुए बताया कि कैसे इंग्लैंड ने पूरी दुनिया पर कब्जा किया था। शराबी ने कहा कि तुम जो भी दावा कर रही हो वो इसलिए कि तुम इंग्लैंड में हो, अगर तुम इंग्लैंड में नहीं होती तो कोई दावा नहीं कर रही होती। अंग्रेजों ने दुनिया पर जीत हासिल की थी। हमने भारत पर भी जीत हासिल की थी, लेकिन हम इसे रखना नहीं चाहते थे इसलिए हमने इसे तुम्हें लौटा दिया।

पुलिस से की शिकायत गैब्रिएल ने वीडियो को X पर पोस्ट करते हुए लिखा- उसने जैसे ही अप्रवासी शब्द सुना वह भड़क गया। उसके हाव-भाव काफी आक्रामक थे। वह घटना बहुत ही परेशान करने वाली थी। वह पागलपन की हालत में था। मैंने सुरक्षा के लिए वीडियो बनाया। एक अन्य ट्वीट में गैब्रिएल ने लिखा कि 'भारतीय और एक अप्रवासी की बेटी होना, अपने इतिहास और विरासत से जुड़े रहना एक आशीर्वाद है। मैं शुक्रगुजार हूं कि मैं इस काबिल हूं कि अपने और अश्वेत लोगों के लिए खड़ी हो सकती हूं।' इस घटना की शिकायत ब्रिटिश ट्रांसपोर्ट पुलिस से की गई है। **पूर्व ब्रिटिश PM ने भी सहा था रंगभेद** ब्रिटेन में भारतीय समुदाय लंबे वक्त से नस्लीय और धार्मिक भेदभाव का सामना कर रहा है। 2023 में लंदन स्थित हेनरी जैक्सन सोसाइटी ने इसे लेकर सर्वे किया था। सर्वे में शामिल 51% हिंदू पेरेंट्स का कहना था कि उनके बच्चे को स्कूल में हिंदू विरोधी नफरत का सामना करना पड़ा है। ब्रिटेन के पूर्व भारतवंशी प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने भी बताया था कि उन्हें बचपन में रंगभेद का सामना करना पड़ा था। उन्होंने कहा था मुझे तब और बुरा लगता था, जब छोटे भाई-बहनों के सामने इस तरह का बर्ताव होता था। 2 साल पहले मॉन्टफोर्ट यूनिवर्सिटी से M Tech कर रहे 150 भारतीय छात्रों को एक पेपर में फेल कर दिया गया था। कोर्स में शामिल 200 में से पास होने वाले सभी 50 छात्र श्वेत थे। तब भी भारतीयों के साथ भेदभाव का आरोप लगा था। **मेगन मर्केल ने भी लगाए थे रंगभेद के आरोप** किंग चार्ल्स के छोटे बेटे प्रिंस हैरी की पत्नी मेगन मर्केल ने भी आरोप लगाया था कि पैलेस में उन पर नस्लभेदी टिप्पणी की गई थी। मेगन ने कहा था कि जब वो प्रेग्नेंट थीं तो पैलेस में काम करने वाले एक सदस्य ने उनके बच्चे के रंग को लेकर सवाल किए थे प्रिंस हैरी की पत्नी मेगन मर्केल ने 4 साल पहले एक इंटरव्यू में बताया था कि शाही परिवार उनके बेटे आर्ची को प्रिंस नहीं बनाना चाहता था, क्योंकि उसके जन्म से पहले उन्हें डर था कि कहीं उसका रंग ब्लैक ना हो। प्रिंस हैरी की पत्नी मेगन मर्केल ने 4 साल पहले एक इंटरव्यू में बताया था कि शाही परिवार उनके बेटे आर्ची को प्रिंस नहीं बनाना चाहता था, क्योंकि उसके जन्म से पहले उन्हें डर था कि कहीं उसका रंग ब्लैक ना हो।

चेर्नोबिल परमाणु रिएक्टर पर ड्रोन हमलाःयूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने वीडियो शेयर किया, रेडिएशन रोकने वाली कॉन्क्रीट शील्ड पर धमाका

कीव यूक्रेनी राष्ट्रपति ने चेर्नोबिल एटॉमिक प्लांट के पावर रिएक्टर नंबर-4 पर ब्लास्ट का वीडियो शेयर किया। जेलेंस्की के आरोप को लेकर रूस ने अभी तक कोई रिएक्शन नहीं दिया है।

यूक्रेन के चेर्नोबिल एटॉमिक प्लांट पर गुरुवार रात को ड्रोन हमला हुआ। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने इस अटैक का आरोप रूस पर लगाया है। जेलेंस्की ने कहा कि गुरुवार देर रात विस्फोटकों से लैस एक रूसी ड्रोन ने चेर्नोबिल प्लांट के कॉन्क्रीट से बने सेफ्टी कवच पर हमला किया। हमले में इस कवच को नुकसान पहुंचा है। हालांकि रूस ने ऐसे किसी हमले से इनकार किया है। जेलेंस्की के मुताबिक, यह हमला तबाह हो चुके पावर रिएक्टर नंबर- 4 पर किया गया। हमले के चलते इमरात में आग लग गई थी, जिसे बुझा दिया गया है। 1986 में हुए चेर्नोबिल ब्लास्ट के बाद रेडिएशन रोकने के कॉन्क्रीट की यह एक शील्ड बनाई गई थी। इसके अलावा किसी और नुकसान या रेडिएशन का लेवल बढ़ने की कोई खबर नहीं है।

चेर्नोबिल के पावर रिएक्टर नंबर-4 के ऊपर रेडिएशन को रोकने के लिए कॉन्क्रीट शील्ड बनाई गई थी। इस शील्ड को नुकसान पहुंचा है। वोलोदिमीर जेलेंस्की ने VIDEO पोस्ट किया यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया है। इसमें चेर्नोबिल प्लांट की इमारत से तेज रोशनी निकलती दिख रही है। इसके बाद पूरा आसमान धुएं से भर जाता है। इंटरनेशल एटॉमिक एनर्जी ने बताया कि यूक्रेन में स्थानीय समय के मुताबिक रात करीब 2 बजे यह हमला किया गया।

यूक्रेनी राष्ट्रपति ने सोशल मीडिया पर यह वीडियो शेयर कर दावा किया कि हमला रूस ने कराया है। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने सोशल मीडिया पर यह वीडियो शेयर कर दावा किया कि हमला रूस ने कराया है। 1986 में हुआ था चेर्नोबिल न्यूक्लियर प्लांट में ब्लास्ट 26 अप्रैल 1986 में चेर्नोबिल के न्यूक्लियर पावर प्लांट में ब्लास्ट हुआ था। यहां काम कर रहे 32 कर्मचारियों की मौत हो गई थी। सैकड़ों कर्मचारी रेडिएशन की चपेट में आ गए थे। तब रूस नहीं सोवियत संघ होता था। इस ब्लास्ट में मारे गए लोगों की सही संख्या आज नहीं नहीं पता चल सकी है। हालांकि, 50 लाख लोग प्लांट में हुए हादसे से निकले रेडिएशन का शिकार बने थे। इससे कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों की वजह से 4,000 से भी अधिक लोगों की मौत हुई। सोवियत संघ ने हमले को छिपाने की कोशिश की थी, लेकिन स्वीडिश रिपोर्ट आने के बाद विस्फोट की बात मानी गई। सोवियत संघ के बंटवारे के बाद चेर्नोबिल यूक्रेन के हिस्से आ गया था। चेर्नोबिल के न्यूक्लियर पावर प्लांट में हुआ धमाका इतना खतरनाक था कि 30 किलोमीटर के पूरे इलाके को खाली करवाना पड़ा।

चेर्नोबिल के न्यूक्लियर पावर प्लांट में हुआ धमाका इतना खतरनाक था कि 30 किलोमीटर के पूरे इलाके को खाली करवाना पड़ा। एक जांच के दौरान हुआ था यह विस्फोट 1986 में न्यूक्लियर पावर प्लांट में यह जांच की जा रही थी कि बिजली सप्लाई रुकने के बाद प्लांट के उपकरण काम करते हैं या नहीं।

भारत न्यूट्रल नहीं... यूक्रेन युद्ध पर पीएम मोदी ने ट्रंप की मौजदूगी में दिया सख्त संदेश, दुनिया को बताया क्या सोचता है भारत

वॉशिंगटनः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस और यूक्रेन युद्ध को लेकर कड़ा संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि भारत इस मामले में तटस्थ नहीं है। वॉइट हाउस में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ बैठक के दौरान एक सवाल के जवाब में पीएम मोदी ने शांति के पक्ष में भारत के रुख को दोहराया। उन्होंने युद्ध समाप्त करने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के प्रयासों की तारीफ की। पीएम मोदी ने कहा, 'भारत तटस्थ नहीं है। भारत शांति का पक्षधर है। मैं पहले ही राष्ट्रपति पुतिन से कह चुका हूं कि यह युद्ध का युग नहीं है।'

'भारत शांति के पक्ष में है'

पीएम मोदी से पूछा गया कि आप अकेले ऐसे लीडर हैं, जिन्होंने रूस के राष्ट्रपति पुतिन, यूक्रेन के वोलोदिमिर जेलेंस्की, पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और अब राष्ट्रपति ट्रंप से मुलाकात की है। क्या आप शांति की दिशा में पहल करेंगे और रूस यूक्रेन युद्ध पर भारत का क्या स्टैंड है? इस पर पीएम मोदी ने कहा कि 'दुनिया की एक सोच है कि भारत न्यूट्रल है, लेकिन भारत न्यूट्रल नहीं है। भारत का अपना पक्ष है और भारत का पक्ष है शांति।' **ट्रंप के प्रयासों की पीएम मोदी ने की तारीफ** पीएम मोदी ने आगे कहा कि 'मेरा दृढ़ विश्वास है कि समस्याओं का समाधान युद्ध के मैदान में नहीं निकलता है। वो (बातचीत की) मेज पर चर्चा करके ही निकलता है।' पीएम मोदी ने कहा कि वह शांति के प्रयास का समर्थन करते हैं और राष्ट्रपति ट्रंप ने जो पहल की है, उसका समर्थन करते हैं। पीएम मोदी की टिप्पणी ट्रंप की रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की के साथ अलग-अलग फोन पर मुलाकात के बाद आई है।

विराट-अनुष्का नहीं, धोनी संग साक्षी की जोड़ी भी है परफेक्ट, दिल छू जाएंगीं इनके रिश्ते की खट्टी-मीठी बातें

विराट कोहली और अनुष्का शर्मा की जोड़ी को तो लोग पसंद करते ही हैं लेकिन सबके चहेते कैप्टन रहे महेंद्र सिंह धोनी की साक्षी संग जोड़ी का भी जवाब नहीं हैं। जिनके रिश्ते की खट्टी-मीठी बातें दिल छू जाती हैं। जिन्हें देखते ही लगता है कि कपल हो तो धोनी-साक्षी की तरह।

भारत को वर्ल्ड चैंपियन बनाने वाले और कैप्टन कूल के नाम से मशहूर महेंद्र सिंह धोनी अपनी पर्सनल लाइफ में भी किसी चैंपियन से कम नहीं है। उनकी लव स्टोरी से लेकर मैरिड लाइफ तक दूसरे कपल्स को गोल्स देती है। लाइमलाइट से दूर रहना पसंद करने वाला ये जोड़ा एक दशक से भी ज्यादा समय से एक-दूसरे के साथ है। लाइफ में कैसा भी मोड़ आए, धोनी-साक्षी मिलकर हर परेशानी का सॉल्यूशन निकाल लेते हैं।

खास बात तो ये कि धोनी और साक्षी का प्यार सिर्फ रोमांस से नहीं बल्कि प्यारी सी नोकझोंक से भी भरा है। लेकिन ये चीज कभी उनके बीच कड़वाहट पैदा नहीं कर पाती। इससे जुड़े कई दिलचस्प किस्से हैं जिनके बारे में दोनों ने ही कई बार बात की है। और जितनी भी बार इन्हें सुना या पढ़ा जाए, उतनी बार लगता है कि रिश्ता हो तो ऐसा।

रोमांस से ज्यादा खट्टी-मीठी नोकझोंक

कहते हैं लड़ाई से प्यार बढ़ता है धोनी और साक्षी पर ये लाइन बिल्कुल फिट बैठती है, क्योंकि साक्षी ने एक मीडिया इवेंट में बताया था कि 'शादी से पहले ज्यादा रोमांस नहीं था बल्कि हम खूब बात करते थे और एक-दूसरे को चिढ़ाते थे।' तभी तो अब भी ये रिश्ता खट्टी-मीठी नोकझोंक के साथ आगे बढ़ रहा है। क्योंकि रिश्ते को मजबूत बनाने के लिए बात और साथ दोनों जरूरी है यानी एक-दूसरे को टाइम देना मजबूत रिश्ते की निशानी है।

आदमी की जिंदगी में मसाला लाती पत्नी लाइफ में पार्टनर की अहमियत बताते हुए माही ने बड़ी ही मजेदार बात कही थी कि 'मुझे लगता है कि एक आदमी की जिंदगी में पूरा मसाला पत्नी ही लाती है। वो हमारी लाइफ को आगे बढ़ाती हैं। आप चाहे टीम इंडिया के कप्तान हों या उप कप्तान उनके लिए ये मायने ही नहीं रखता। वो घर में आपकी एक निश्चित जगह तय करती हैं जबकि हैरान करने वाली बात ये है कि वो कहती हैं सब कुछ तुम्हारे हिसाब से ही तो चलता है।' शादी के इन अनुभवों को 'गो विद द फ्लो' अप्रोच के साथ अगर पति-पत्नी स्वीकार करते जाएं, तो उनके लिए शादीशुदा जिंदगी आसान बन जाती है और अलग-अलग व्यक्तित्व के कारण हो सकने वाले झगड़ों पर पहले ही विराम लगा सकती है। **कहां जाएगी...वो सिर्फ मेरी है** हर घर की कहानी में एक राग जरूर गाया जाता है कि 'शादी के बाद सब बदल जाता है'... ऐसा ही कुछ धोनी-साक्षी के रिश्ते में भी है। साक्षी का भी यही कहना है कि शादी हो जाती है तो सब बदल जाता है। ये लोग पहले आपका पीछा करते हैं और फिर शादी के बाद कहते हैं वो सिर्फ मेरी है, वो कहां जाएगी। साक्षी ने ये बात भले ही मजाक में कही हो, लेकिन ये इसका साफ सबूत देती है कि दोनों को ही अपने रिश्ते और पार्टनर पर कितना ज्यादा विश्वास है। वो इस रिलेशनशिप में खुद को कितना सुरक्षित और सहज महसूस करते हैं। ऐसा रिश्ता जब होता है, तो उसमें कभी भी असुरक्षा का भाव जन्म नहीं ले पाता और टॉक्सिक चीजें दूर बनी रहती हैं।

बच्चे का पढ़ाई में नहीं लग रहा मन, तो स्टडी टेबल पर रखें ये 5 पौधे, फिर देखना क्या होता है कमाल

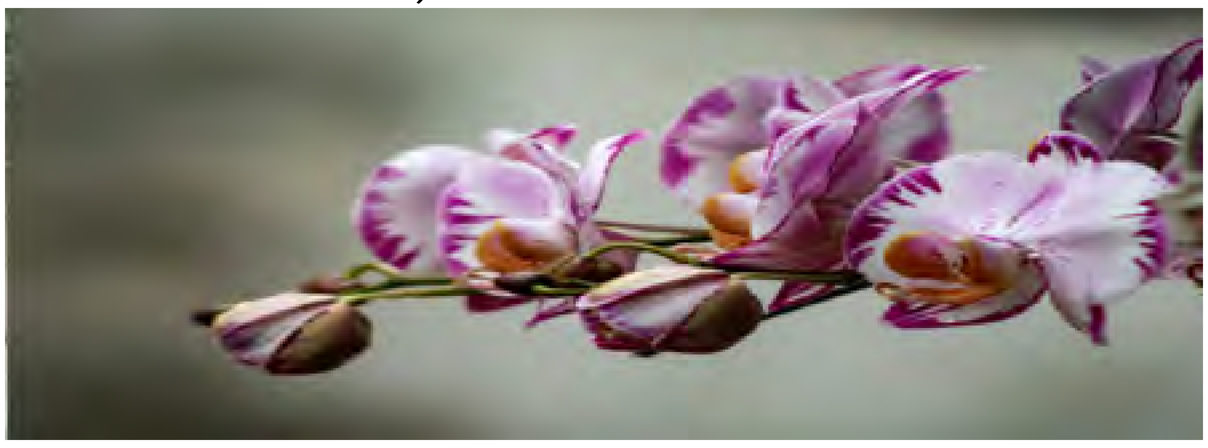

क्या आप भी बच्चे की पढ़ाई को लेकर परेशान हैं कई कोशिशों के बाद भी बच्चे का पढ़ाई में मन नहीं लग रहा है तो घबराने की जरूरत नहीं। क्योंकि हम आपको एक ऐसी तरकीब बता रहे हैं जिससे न सिर्फ बच्चे का मन पढ़ाई में लगेगा बल्कि बच्चे का दिमाग भी दौड़ने लगेगा। इसके लिए आपको सिर्फ बच्चों की टेबल पर ये पौधे रखने होंगे।

बच्चों का पढ़ने में मन नहीं लग रहा है तो पौधे आपकी मदद कर सकते हैं जी हां, पौधे। जो सिर्फ घर की सजावट या ऑक्सीजन देने के काम नहीं आते बल्कि बच्चे का भविष्य भी बना सकते हैं। ये तो सभी समझते हैं कि आस-पास ग्रीनरी होने से पॉजिटिविटी रहती है घर का माहौल भी अच्छा रहता है। जिसके लिए इंडोर प्लांट्स का इस्तेमाल करते हैं लेकिन कुछ पौधे ऐसे भी होते हैं जिन्हें बच्चों की स्टडी टेबल पर रखना चाहिए। इससे बच्चों की पढ़ाई और सफलता में बहुत मदद मिल सकती हैं। क्योंकि इन पौधों की मदद से बच्चे का मन भटकेगा नहीं बच्चा सिर्फ पढ़ाई पर फोकस करेगा। ऐसे में आइए जानते हैं कि वो कौन से ऐसे खास पौधे हैं जो आपकी मदद कर सकते हैं। बच्चों की स्टडी टेबल पर पीस लिली का पौधा रखना सबसे अच्छा आइडिया है जैसा की नाम से ही पता चलता है ये पौधा मन को शांत रखने में मदद करता है। बता दें पीस लिली प्लांट लिली परिवार से ही है जो सफेद होता है सफेद रंग के कारण ही इसे पीस नाम दिया गया है। इस पौधे की खुशबु से बच्चे खुश भी रहते हैं। पीस लीली एयर प्यूरिफायर का भी काम करता है।

ऑर्किड का पौधा करता अट्रैक्ट साल में हर समय खिलने वाला ये पौधा दिखने में कलरफुल होता है। जो किसी को भी अपनी ओर अट्रैक्ट कर सकता है। घर में पॉजिटिव एनर्जी लाने का भी काम करता है। इस पौधे से मूड भी अच्छा होता है, ऐसे में यही कारण है कि स्टडी टेबल पर ऑर्किड का पौधा रखने से बच्चे का पूरा फोकस पढ़ाई पर कर सकते हैं।

बैम्बू प्लांट हो सकता है सबसे बेहतर
बैम्बू प्लांट से एक खास तरह की फेंगशुई एनर्जी निकलती है जो इंसान के लिए बहुत अच्छी होती है इसलिए इसे स्टडी टेबल के कोने पर रखना ज्यादा बेहतर माना जाता है। बैम्बू प्लांट को खास एयर प्यूरीफायर के रूप में भी जाना जाता है इस पौधे से पॉजिटिव एनर्जी निकलती है जिसकी वजह से बच्चे का मन पढ़ने में लगता है। साथ ही इस पौधे को गुड लक के लिए भी लगाया जाता है।

कॉर्डलाइन फ्रुटिकोसा या 'लकी प्लांट'

गहरे लाल रंग के कॉर्डलाइन फ्रुटिकोसा को 'लकी प्लांट' भी कहते हैं। कुछ लोग इसे घर के बाहर लगाते हैं लेकिन कॉर्डलाइन फ्रुटिकोसा को स्टडी टेबल पर रखना सबसे अच्छा माना जाता है क्योंकि ये आस-पास की हवा को साफ करने का काम करता है। इस पौधे की वजह से शांत और पॉजिटिव माहौल रहता है। ऐसे में बच्चे का मन पढ़ाई में लगता है।

चमेली के पौधे का चमत्कार स्टडी टेबल पर चमेली का पौधा लगाने के बाद आपको चमत्कार देखने को मिल सकता है। क्योंकि चमेली के फूल की धीमी-धीमी खुशबू मन को सुकून पहुंचाती है इसलिए माना जाता है कि चमेली के फूल से मन शांत रहता है तनाव भी नहीं होता। जिसकी वजह से बच्चों का मन पढ़ाई में लगने लगता है।

बच्चे के शरीर में बेकाबू हो रही है डायबिटीज, इन लक्षणों से लग जाता है पता

डायबिटीज एक साइलेंट किलर है। अकेले भारत में ही डायबिटीज के 10 करोड़ से ज्यादा मरीज है। यह बीमारी धीरे-धीरे टीनएजर्स और 20 साल के युवाओं में आम होती जा रही है।

डायबिटीज लोगों के लिए जानलेवा बनती जा रही है। यह एक क्रॉनिक कंडीशन है, जो आजकल क्या बुजुर्ग क्या जवान सभी को प्रभावित कर रही है। टीनएजर्स और 20 साल के आसपास के युवा इस बीमारी की चपेट में ज्यादा आ रहे हैं। बता दें कि युवाओं में टाइप 1 और टाइप 2 डायबिटीज दोनों देखी जा रही हैं, लेकिन टाइप 2 डायबिटीज जिसे डायबिटीज मेलिटस कहते हैं के लक्षण दिखाई न देने के कारण इसका निदान देर में हो पाता है।

अमेरिका के रिसर्चर्स ने 2002 से 2017 तक के आंकड़ों का विश्लेषण करते हुए भविष्यवाणी की है कि देश में टाइप 1 और टाइप 2 डायबिटीज वाले युवाओं की संख्या 2017 में 213,000 से बढ़कर 2060 में 239,000 हो जाएगी। अगर यहां बताए गए कुछ संकेतों पर जल्दी ध्यान दिया जाए, तो युवाओं में डायबिटीज को बढ़ने से रोका जा सकता है।

पेशाब और प्यास बढ़ना- अगर एक स्वस्थ व्यक्ति की पेशाब और प्यास में वृद्धि होने लगे, तो यह टाइप 1 और टाइप 2 डायबिटीज का संकेत है। अचानक से इन लक्षणों का अनुभव करने वाले युवा लोगों को ज्यादा सावधान रहने की जरूरत है। क्योंकि यह लक्षण हाई ब्लड शुगर लेवल का भी संकेत दे सकता है।

अचानक से वजन घटना-

वजन बढ़ना तो सामान्य है, लेकिन नियमित भोजन के बाद भी आपका वजन लगातार कम हो रहा है, तो डायबिटीज का रिस्क है। इस दौरान डायबिटीज वालों का वजन उम्मीद के मुताबिक नहीं बढ़ता ऐसा होना टाइप 1 और टाइप 2 डायबिटीज वालों के लिए खतरे की घंटी है।

थकान- जरूरत से ज्यादा थकान होने का मतलब है कि आप डायबिटीज की गिरफ्त में हैं। इस स्थिति में हमारा शरीर ऊर्जा के लिए ग्लूकोज का पर्याप्त उपयोग नहीं कर पाता। जिससे थकान हो सकती है। इस लक्षण को पहचानकर जल्द ही डायबिटीज को मैनेज किया जा सकता है।

आंखों की रोशनी कमजोर होना-

दृष्टि में परिवर्तन हाई ब्लड शुगर लेवल से जोड़कर देखा जाता है। कम उम्र के लोगों के लिए जरूरी है कि वे अपनी दृष्टि में बदलाव के प्रति सचेत रहें और तुरंत टेस्ट कराएं। खासतौर से जिन लोगों के पहले से चश्मा लगा हुआ है, अगर विजन में कोई प्रॉब्लम हो, तो लक्षण को इग्नोर न करते हुए आई टेस्ट कराना चाहिए।

यहां बताए गए लक्षणों पर ध्यान देना जरूरी है। क्योंकि 200 से ज्यादा होने पर डायबिटीज होने की संभावना बढ़ जाती है। खासतौर से निदान के बाद इसे अनुपचारित छोड़ दिया जाए, तो टाइप 1 डायबिटीज वाले लोगों को डायबिटीज कीटोएसिडोसिस (DKA) होने का खतरा हो सकता है।

मधुमेह कीटोएसिडोसिस क्या है

टाइप 1 डायबिटीज वाले लोग अगर लक्षणों पर ध्यान देने से चूक जाएं, तो डायबिटीज कीटोएसिडोसिस का खतरा होता है। यह स्थिति तब होती है जब शरीर ऊर्जा के लिए ग्लूकोज का उपयोग बंद करके फैट को तोड़ना शुरू कर देता है, जिससे कीटोन का प्रोडक्शन शुरू हो जाता है। इससे शरीर के पीएच लेवल में खतरनाक रूप से असंतुलन पैदा होने लगता है।

डायबिटीज कीटोएसिडोसिस के लक्षण- मतली, उल्टी, पेट में दर्द और सांस में एक अजीब गंध डायबिटीज कीटोएसिडोसिस के मुख्य लक्षण हैं। इन लक्षणों पर ध्यान देना बहुत जरूरी है, क्योंकि इसका तुरंत इलाज न किया जाए तो यह जीवन के लिए बड़ा खतरा है।

टाइप 1 और टाइप 2 डायबिटीज के बीच अंतर करने और डायबिटीज कीटोएसिडोसिस के विकास को रोकने के लिए समय पर इसकी पहचान करना बेहद जरूरी है। नियमित जांच की मदद से युवाओं में डायबिटीज को मैनेज करने में बहुत मदद मिल सकती है।

एक बार में साफ हो जाएगी स्कैल्प पर जमी सारी गंदगी, इन 4 तरीकों से बाल बन जाएंगे हेल्दी और मजबूत

अगर आप भी इस बदलते मौसम में उड़ती धूल-मिट्टी से परेशां हो गए हैं, लेकिन मार्किट के प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल नहीं करना चाहते हैं, तो हमारे बताए इन 4 घरेलू नुस्खों को अपना सकते हैं। स्कैल्प की गंदगी से लेकर चिपचिपाहट तक, आपकी ज्यादातर हेयर प्रॉब्लम्स को ये उपाय दूर कर सकते हैं।

हम सभी चाहती हैं, कि हमारे बाल लंबे, घने और साफ हों। लेकिन धूल, मिट्टी, प्रदूषण के कारण स्कैल्प पर गंदगी जमा हो जाती है, जिससे बालों की जड़ें कमजोर, बाल रूखे और बेजान हो जाते हैं, जिससे डैंड्रफ जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि अच्छी हेयर हेल्थ के लिए स्कैल्प को भी हेल्दी रखना सबसे ज्यादा जरूरी होता है।

हम में से न जाने कितनी महिलाएं इस समस्या से परेशान होंगी और स्कैल्प क्लीनिंग के लिए केमिकल वाले प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करती होंगी। लेकिन बाजार से खरीदे गए ये प्रोडक्ट्स हमारे बालों को कमजोर और पतला बना सकते हैं। ऐसे में आप इस प्रॉब्लम को बस कुछ आसान तरीकों से दूर कर सकती हैं। आज हम आपको ऐसे ही 4 घरेलू नुस्खों के बारे में बताने वाले हैं, जिनकी मदद से आपकी स्कैल्प तो साफ होगी ही, साथ ही बालों में नई जान भी आएगी। (सभी फोटोः आईस्टॉक)

1. दही और बेसन की मदद से करें डीप क्लीन

1. दही और बेसन की मदद से करें डीप क्लीन

खाने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला दही हमारे बालों के लिए भी फायदेमंद होता है। इसमें मौजूद लैक्टिक एसिड स्कैल्प को गहराई से साफ करता है और डैंड्रफ कम करने में भी मदद करता है। साथ ही बेसन नेचुरल स्क्रब की तरह काम करता है, जो स्कैल्प से गंदगी और तेल को हटाने में भी फायदेमंद होता है। आइए जानते हैं, कैसे करें इन सामग्रियों का इस्तेमाल।

सबसे पहले एक कटोरी लें और इसमें 2 चम्मच बेसन और 4 चम्मच दही मिलाकर पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को स्कैल्प पर लगाकर 10 मिनट तक मसाज करें। समय पूरा होने के बाद बालों को धो लें। 2. एलोवेरा में मिलाएं नींबू का रस

कई घरों में आसानी से उपलब्ध होने वाला एलोवेरा स्किन के साथ-साथ बालों और स्कैल्प के लिए भी लाभदायक होता है। ये स्कैल्प को हाइड्रेट करने, बालों को शाइन देने और मजबूत करने का काम करता है। साथ ही इस विधि में इस्तेमाल किया जाना वाला नींबू का रस स्कैल्प को साफ करने, डैंड्रफ को दूर करने में सहायक होता है। ऐसे करें इस विधि को तैयार- 2 चम्मच एलोवेरा जेल और 1 चम्मच नींबू के रस को एक छोटी कटोरी में डालकर मिक्स कर दें।

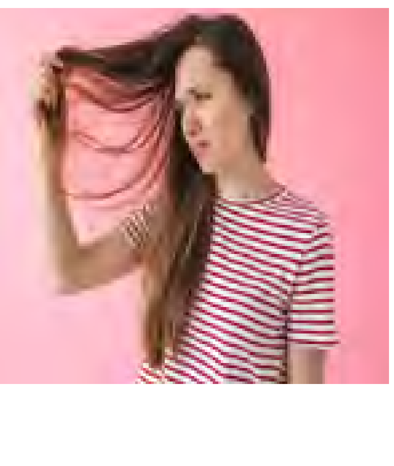

जब पेस्ट तैयार हो जाए तो इसे स्कैल्प पर लगाकर 15 मिनट तक रहने दें। 15 मिनट बात नार्मल पानी से अपने बालों को धो लें।

3. दही और एलोवेरा करेगा कमाल

दही और एलोवेरा दोनों ही बालों से गंदगी को साफ करने के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। आप घर पर बने इस हेयर मास्क का इस्तेमाल हफ्ते में दो बार कर सकती हैं। इसे बनाना बहुत ही आसान है और इसमें आपके ज्यादा पैसे भी खर्च नहीं होंगे। तो आइए जानते हैं, कैसे बनाएं ये हेयर मास्क।

एक बाउल में 2 चम्मच दही में 2 चम्मच एलोवेरा जेल मिलाकर पेस्ट तैयार कर लें।

अब इस पेस्ट को स्कैल्प सहित अपने बालों पर भी लगाएं और 15-20 मिनट तक रखें। जब समय पूरा हो जाए तो नॉर्मल पानी से सिर धो लें।

4. सरसों के तेल में मिक्स करें ये दो चीज

4. सरसों के तेल में मिक्स करें ये दो चीज

पुराने जमाने से ही सरसों के तेल को बालों के लिए फायदेमंद माना जाता है। ये हमारे बालों को मजबूती तो देता ही है, साथ ही नरिशिंग और शाइनी भी बनाता है। सरसों के तेल में इस्तेमाल की जाने वाली दो अन्य सामग्री, दही और नींबू है, जो डैंड्रफ की समस्या से दूर करने और बालों को वॉल्यूम देने में फायदेमंद होते हैं। तो आइए जानते हैं फायदों से भरपूर इस हेयर मास्क को कैसे बनाया जाता है। सबसे पहले के कटोरी लें और इसमें 2 चम्मच दही, 2 सरसों का तेल और 1 चम्मच नींबू का रस मिक्स कर दें। जब ये सभी चीजें अच्छे से मिक्स हो जाए तो इन्हें स्कैल्प और बालों पर सही से लगा लें 20 मिनट तक इसे ऐसे ही रहने दें और फिर हेयर वॉश कर लें।

बेटा तो बाप से भी आगे निकला... कायरन पोलार्ड के बेटे का बवाल शतक, क्या मुंबई इंडियंस में होगी एंट्री?

कायरन पोलार्ड के बेटे कैडेन पोलार्ड ने बेहतरीन सेंचुरी ठोक अपने खेल का परिचय दे दिया है। पोलार्ड के बेटे भी उनकी तरह एक कमाल के बल्लेबाज हैं। आने वाले समय में पोलार्ड के बेटे भी आईपीएल जैसी बड़ी स्टेज पर अपना नाम कमा सकते हैं।

नई दिल्लीः दुनिया में बहुत कम खिलाड़ी ऐसे हैं जिनकी हिटिंग पावर वेस्टइंडीज के पूर्व ऑलराउंडर कायरन पोलार्ड जितनी तगड़ी रही हो। पोलार्ड बल्ले के साथ-साथ गेंद से भी कई बार कमाल कर चुके हैं। आईपीएल में अगर मुंबई इंडियंस की टीम 5 बार की चैंपियन रही है तो उसमें एक बड़ा हाथ खुद कायरन पोलार्ड का ही रहा है। हालांकि ये खिलाड़ी अब क्रिकेट से संन्यास ले चुका है और फिलहाल पोलार्ड मुंबई इंडियंस के सपोर्टिंग स्टाफ में काम कर रहे हैं। पोलार्ड तो रिटायर हो गए लेकिन इस वक्त उनका बेटा क्रिकेट की दुनिया में धूम मचाना शुरू कर चुका है।

कायरन पोलार्ड के बेटे का जलवा कायरन पोलार्ड के बेटे कैडेन पोलार्ड भी एक क्रिकेट खिलाड़ी हैं। कैडेन एक बल्लेबाज हैं और वो लगातार क्रिकेट के खेल में तरक्की कर रहे हैं। पोलार्ड ने हाल ही में सोशल मीडिया पर अपने बेटे कैडेन का फोटो पोस्ट किया है। इस फोटो में कैडेन हाथ में बल्ला और हेलमेट लेकर पोज कर रहे हैं। पोलार्ड ने इस फोटो के कैप्शन में बताया कि उनके बेटे ने एक शतक बनाया है। पोलार्ड ने ही कैप्शन में जानकारी दी कि उनके बेटे कैडेन ने 85 गेंदों का सामना करते हुए 135 रन की पारी खेली है।

मुंबई इंडियंस के नेट्स में भी की है प्रैक्टिस कैडेन अपने पिता कायरन पोलार्ड के साथ कई बार प्रैक्टिस करते हुए नजर आए हैं। कैडेन को कई बार आईपीएल के दौरान मुंबई इंडियंस के नेट्स में प्रैक्टिस करते हुए देखा गया है। मुंबई ने अपने सोशल मीडिया पर कैडेन की बैटिंग का वीडियो भी पोस्ट किया, जिसमें देखा जा सकता है कि वो अपने पिता कायरन पोलार्ड की बॉलिंग पर ही बैटिंग करते हुए कुछ शानदार शॉट्स भी लगा रहे हैं।

चैंपियंस ट्रॉफी के लिए केविन पीटरसन की प्लेइंग-11, टीम इंडिया से कई धाकड़ बाहर तो केएल राहुल पर गौतम गंभीर को चेतावनी

चैंपियंस ट्रॉफी के लिए केविन पीटरसन ने अपनी पसंदीदा भारतीय टीम की प्लेइंग-11 बताई है। उन्होंने हालांकि अपनी पसंदीदा टीम बताते हुए गौतम गंभीर को चेतावनी भी दे डाली है। उन्होंने कहा कि केएल राहुल को हर हाल में प्लेइंग-11 में खिलाना चाहिए।

नई दिल्लीः इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन ने भारत के कोच गौतम गंभीर को एक संदेश भेजा है। उन्होंने कहा कि केएल राहुल को चैंपियंस ट्रॉफी में पांचवें नंबर पर खिलाना चाहिए। गंभीर ने कहा था कि वो मध्यक्रम में बाएं और दाएं हाथ के बल्लेबाजों का संयोजन पसंद करते हैं। इसलिए राहुल के खेलने की जगह पक्की नहीं है। पीटरसन की सलाह गंभीर के इस बयान के बाद आई है। भारतीय टीम मैनेजमेंट की हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ हुई वनडे सीरीज के पहले दो मैचों में आलोचना हुई थी। राहुल की जगह अक्षर पटेल को पांचवें नंबर पर भेजा गया था। अक्षर को तो फायदा हुआ, लेकिन राहुल छठे नंबर पर जूझते दिखे। दो पारियों में वो सिर्फ 12 रन ही बना पाए। अहमदाबाद में हुए आखिरी मैच में राहुल अपने पुराने नंबर पर लौटे। उन्होंने 29 गेंदों में 40 रन की उपयोगी पारी खेली। भारत ने ये मैच 142 रनों से जीता। मैच के बाद पीटरसन ने स्टार स्पोर्ट्स पर गंभीर से राहुल को पांचवें नंबर पर ही रखने की अपील की। पीटरसन ने कहा, 'एक बात जिससे टीम खुश होगी वो है विराट कोहली का रन बनाना। रोहित ने भी रन बनाए। गिल, श्रेयस... ये एक शानदार शुरुआत है। मैं केएल राहुल को पांचवें नंबर पर चाहता हूँ क्योंकि मैं चाहता हूं कि उन्हें ज्यादा गेंदें खेलने को मिलें। वो आज 17 ओवर बाकी रहते मैदान पर आए।' उन्होंने आगे कहा- जब आपके पास ज्यादा समय होता है, तो आप पारी बना सकते हैं। मुझे नहीं लगता कि केएल राहुल वो खिलाड़ी हैं जो तीन ओवर बाकी रहते आए और 12 गेंदों में 30 रन बना दे। राहुल को एकदिवसीय क्रिकेट में सेट होने के लिए समय चाहिए। उन्हें ये समय देने का सबसे अच्छा तरीका है उन्हें पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी कराना। इंग्लैंड के इस महान खिलाड़ी ने फिर 20 फरवरी को दुबई में बांग्लादेश के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी के पहले मैच के लिए अपनी भारतीय प्लेइंग इलेवन चुनी। उन्होंने हर्षित राणा को तेज गेंदबाजी इकाई से बाहर रखा। उन्होंने अर्शदीप सिंह को दूसरे तेज गेंदबाज और कुलदीप यादव को वरुण चक्रवर्ती की जगह एकमात्र स्पेशलिस्ट स्पिनर के रूप में चुना। पीटरसन ने कहा, 'चक्रवर्ती बहुत अच्छे रहे हैं, लेकिन मुझे लगता है कि कुलदीप अपने प्रदर्शन और आंकड़ों के मामले में बहुत अच्छे रहे हैं।

17 बैट, 27 बैग और ढाई क्विंटल सामान... स्टार क्रिकेटर ने ऑस्ट्रेलिया में नाक में किया दम

ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में हार के बाद एक के बाद एक शॉकिंग खुलासे हो रहे हैं। अब खबर है कि एक स्टार खिलाड़ी ने अपने भारी भरकम लगेज से बोर्ड की नाक में दम कर दिया था। उसने 17 बैट, 27 बैग सहित कुल 250 किलोग्राम लेकर यात्रा किया, जिसके पैसे BCCI ने चुकाए।

नई दिल्लीः ऑस्ट्रेलिया में टीम इंडिया का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी भी हाथ से निकल गई। इस हार के बाद भारतीय क्रिकेट में कई बदलाव हुए। दस साल बाद ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज हारना आसान नहीं था। इसके कई नतीजे निकले। स्टार खिलाड़ियों पर सवाल उठे। उनके भविष्य पर भी चर्चा हुई। ड्रेसिंग रूम की बातें लीक हो गईं। खिलाड़ियों को इसका खामियाजा भुगतना पड़ा। गौतम गंभीर का कोच के रूप में कार्यकाल बिगड़ता गया। रविचंद्रन अश्विन ने संन्यास ले लिया। इन सबके बावजूद, भारतीय क्रिकेट आगे बढ़ा, बदलाव भी हुए।

BCCI ने खिलाड़ियों में अनुशासन लाने के लिए 10 नियम बनाए। खिलाड़ियों को इन नियमों का पालन करना ही होगा। इनमें से दो नियम जरूरी हैं। घरेलू क्रिकेट खेलना और परिवार के साथ यात्रा पर रोक। एक और नियम है जिस पर ज्यादा बात नहीं होती। यह है सामान की सीमा। नए नियम के अनुसार, खिलाड़ी 150 किलो से ज्यादा सामान नहीं ले जा सकते। यह नियम इसलिए बना क्योंकि एक 'स्टार खिलाड़ी' 250 किलो सामान ऑस्ट्रेलिया ले गया था। यह खिलाड़ी 27 बैग ऑस्ट्रेलिया ले गया था। यह खिलाड़ी कौन है, यह पता नहीं है। लेकिन 27 बैग सिर्फ उसके नहीं थे। कुछ बैग उसके परिवार और निजी सहायकों के थे। उसके अपने सामान में 17 बल्ले थे। पूरा वजन ढाई क्विंटल था। इससे पता चलता है कि वह एक बल्लेबाज है। ऑस्ट्रेलिया में यह खिलाड़ी एक शहर से दूसरे शहर घूमता रहा। BCCI को इसका खर्चा उठाना पड़ा। हालांकि सही रकम नहीं बताई गई, लेकिन यह लाखों में होगी। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि दूसरे खिलाड़ी भी ऐसा करने लगे। इसके बाद BCCI ने नियम सख्त कर दिए। अब कोई भी खिलाड़ी 150 किलो से ज्यादा सामान विदेश नहीं ले जा सकता। अगर सामान ज्यादा हुआ तो खिलाड़ी को खुद खर्चा देना होगा। चैंपियंस ट्रॉफी से यह नियम लागू हो जाएँगे। खिलाड़ियों को बता दिया गया है कि परिवार दुबई नहीं जा पाएगा। क्योंकि वहाँ 25 दिन से ज्यादा नहीं रुकना है। नियम के अनुसार, 45 दिन या उससे ज्यादा के दौरे पर परिवार दो हफ्ते तक साथ रह सकता है। इसका मतलब है कि इंग्लैंड दौरे पर अनुष्का शर्मा और रितिका सजदेह जैसी पत्नियां साथ जा सकती हैं। ये दोनों विराट कोहली और रोहित शर्मा की पत्नियां हैं, जो अक्सर मैच देखने आती हैं। यह नियम BCCI के लिए एक बड़ा कदम है। इससे खिलाड़ियों में अनुशासन आएगा। साथ ही, BCCI का खर्चा भी कम होगा। यह देखना दिलचस्प होगा कि खिलाड़ी इन नियमों का कैसे पालन करते हैं। क्या सभी खिलाड़ी इन नियमों को मानेंगे? या फिर कोई विरोध करेगा?

मुफ्त का लॉलीपॉप खत्म... अब IPL देखने के लिए JioHotstar को देने होंगे पैसे

दुनिया की सबसे बड़ी लीग इंडियन प्रीमियर लीग का मुफ्त में मजा लूटने वालों के लिए बुरी खबर है। जियोसिनेमा और डिज्नी+ हॉटस्टार मिलकर जियोहॉटस्टार बन गया है, जिसका मालिक अंबानी ग्रुप है। रिपोर्ट के अनुसार, क्रिकेट फैंस को अगर लाइव मैच देखना है तो उसके लिए सब्सक्रिप्शन लेना होगा।

नई दिल्लीः क्रिकेट के चाहने वालों के लिए एक बुरी खबर है। जियो और स्टार इंडिया के मर्जर से एक नया प्लेटफॉर्म बना है- JioHotstar। इसके तहत जियोसिनेमा और डिज्नी+ हॉटस्टार मिलकर जियोहॉटस्टार बन गए हैं। यह शुक्रवार को लॉन्च हुआ। इसके मनोरंजन और लाइव स्पोर्ट्स के 50 करोड़ से ज्यादा यूजर्स हैं, लेकिन अब आईपीएल देखने का तरीका बदलने वाला है। जी हां, मुफ्त का लॉलीपॉप बंद होने वाला है। पूरा मैच फ्री में नहीं दिखेगा। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, आईपीएल के कुछ मिनट ही फ्री में देख पाएंगे। उसके बाद सब्सक्रिप्शन लेना होगा। सब्सक्रिप्शन 149 रुपये से शुरू होगा। पहले जियोसिनेमा पर आईपीएल फ्री में देख सकते थे। जियो ने 2023 से पांच साल के लिए आईपीएल के राइट्स 3 बिलियन डॉलर में खरीदे थे। लेकिन 2025 से पूरा मैच देखने के लिए पैसे देने होंगे। आईपीएल दुनिया की सबसे अमीर क्रिकेट लीग है। इसके देखने का तरीका बदलने का फैसला मुकेश अंबानी की रिलायंस और वॉल्ट डिज्नी के 8.5 बिलियन डॉलर के मर्जर के बाद आया है। यह मर्जर पिछले साल हुआ था। एक सूत्र ने रॉयटर्स को बताया- जब यूजर को प्लेटफॉर्म पसंद आने लगता है, फ्री में देखने लगता है, तो वो सब्सक्रिप्शन ले लेता है। उन्होंने यह भी बताया कि हर यूजर का सब्सक्रिप्शन अलग-अलग समय पर शुरू हो सकता है। यह जानकारी गोपनीय रखी गई है, इसलिए सूत्र का नाम नहीं बताया गया है। रिलायंस ने इस बारे में कोई जवाब नहीं दिया। **जियोहॉटस्टार के सब्सक्रिप्शन प्लान क्या हैं**? एक बेसिक प्लान 149 रुपये का होगा। बिना विज्ञापनों वाला प्लान 499 रुपये में तीन महीने के लिए मिलेगा। जियोहॉटस्टार पर आईसीसी इवेंट्स, आईपीएल, WPL जैसे बड़े टूर्नामेंट देख सकते हैं। इंडियन स्ट्रीट प्रीमियर लीग और BCCI, ICC, और राज्य संघों के मैच भी देख सकते हैं। क्रिकेट के अलावा, प्रीमियर लीग और विंबलडन जैसे ग्लोबल स्पोर्ट्स भी देख सकते हैं।

38वें राष्ट्रीय खेलःहॉकी में हरियाणा महिला टीम ने सोना जीता,पुरुष श्रेणी में कर्नाटक ने भी गोल्ड कब्जाया

हरिद्वार 38वें राष्ट्रीय खेलों में हॉकी मैच के फाइनल मुकाबलों में हरियाणा ने महिला श्रेणी स्वर्ण पदक जीता। हरियाणा की महिला हॉकी टीम ने मध्य प्रदेश को 4-1 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। जबकि पुरुष श्रेणी में कर्नाटक ने स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। जबकि पुरुष श्रेणी में कर्नाटक ने स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। मध्य प्रदेश की छवन ऐश्वर्या ने पांचवें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर के जरिए गोल कर अपनी टीम को शुरुआती बढ़त दिलाई। हालांकि, मध्य प्रदेश इस बढ़त को कायम नहीं रख सका और हरियाणा ने शानदार वापसी की। **हॉकी मैच की दौरान भिड़ते खिलाड़ी** हॉकी मैच की दौरान भिड़ते खिलाड़ी झारखंड ने कांस्य पदक जीता हरियाणा की ओर से महिमा चौधरी (37'), इशिका (45', 50') और मोनिका (55') ने गोल किए। इशिका ने दो गोल दागे,जिनमें से एक फील्ड गोल और दूसरा पेनल्टी कॉर्नर से था। तीसरे स्थान के मुकाबले में झारखंड ने महाराष्ट्र को 2-1 से हराकर कांस्य पदक पर कब्जा किया। झारखंड के लिए प्रमोदनी लकड़ा (12') ने फील्ड गोल किया, जबकि कप्तान अलबेला रानी टोप्पो (17') ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला। महाराष्ट्र की ओर से तनुश्री दिनेश कडू (39') ने एक गोल किया, लेकिन उनकी टीम हार गई। **मैच जीत के बाद हॉकी टीम**

उधर,पुरुषों के फाइनल मुकाबले में कर्नाटक ने उत्तर प्रदेश को कड़े मुकाबले में 3-2 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। उत्तर प्रदेश के फराज़ खान ने पहले ही मिनट में पेनल्टी कॉर्नर से गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। लेकिन जल्द ही कर्नाटक के शमंथ सीएस ने आठवें मिनट में बराबरी कर ली। कर्नाटक के भरत महालिंगप्पा कुर्तकोटी (18') और अभरण सुदेव बी (39') ने पेनल्टी कॉर्नर से गोल कर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया।

RCB की कप्तान मंधाना ने कहा- सोफी की कमी खलेगी:निजी कारणों से लीग से नाम वापस लिया

विमेंस प्रीमियर लीग (WPL) का तीसरा सीजन आज से शुरू हो रहा है। पहला मैच डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और गुजरात जायंट्स के बीच होगा। डिफेंडिंग चैंपियन RCB की कप्तान स्मृति मंधाना को टीम की स्टार ऑलराउंडर सोफी डिवाइन की कमी खलेगी।

स्मृति ने स्टार स्पोर्ट्स प्रेस रूम में कहा, डिवाइन दुनिया की बेस्ट ऑलराउंडर्स में से एक हैं और उन्होंने हमारे लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हम निश्चित रूप से उनकी कमी महसूस करेंगे। न्यूजीलैंड की डिवाइन ने तीसरा सीजन शुरू होने से पहले लीग से नाम वापस ले लिया था। उन्होंने निजी कारणों का हवाला दिया है। डिवाइन ने क्रिकेट से ब्रेक लिया है।

मैं काफी एक्साइटेड हूं- हरमनप्रीत तीसरा सीजन शुरू होने से पहले गुरुवार को स्टार स्पोर्ट्स प्रेस रूम में सभी पांच टीम की कप्तान मौजूद रहीं। मुंबई इंडियंस की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा, मैं काफी एक्साइटेड हूं क्योंकि इस सीजन में सभी टीमों ने बहुत सी अच्छी खिलाड़ियों को चुना है। पिछले सीजन में हमने ऐसे खिलाड़ियों को देखा जिन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया और नेशनल टीम में अपनी जगह बनाई।

22 मैच खेले जाएंगे इस सीजन 5 टीमों के बीच 29 दिनों तक चलने वाले इस टूर्नामेंट में 22 मैच खेले जाएंगे। मुंबई में 13 मार्च को एलिमिनेटर और 15 मार्च को फाइनल होगा। इस बार 2 की बजाय 4 वेन्यू पर मुकाबले होंगे। लखनऊ और वडोदरा में पहली बार WPL के मैच होने हैं। मुंबई और बेंगलुरु एक बार फिर टूर्नामेंट की मेजबानी करेंगे। **बेंगलुरु ने जीता था दूसरा सीजन** स्मृति मंधाना की कप्तानी वाली बेंगलुरु ने WPL सीजन-2 का खिताब अपने नाम किया था। टीम ने फाइनल में दिल्ली कैपिटल्स को 8 विकेट से हराया था। ऑलराउंडर एलिस पैरी टूर्नामेंट की टॉप स्कोरर रही थीं। उन्होंने 9 मैच में 347 रन बनाए थे। वहीं स्पिनर श्रेयांका पाटिल 13 विकेट लेकर टॉप विकेट टेकर थीं। टीम ने 8 में से 4 मैच जीते और 4 गंवाए थे।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अन्नपूर्णा गुप्ता द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस प्लॉट नं 0536 खाता 1272 लालकृष्ण राय रोड पुलिस स्टेशन रांची से निजल जनरल स्टोर मिनू चौक रांची 834002 से प्रकाशित
प्रधान संपादक अन्नपूर्णा गुप्ता कार्यालय फोन नं ,651-2253830 ,9471717919, 9123244805 RNI NO JHAHIN / 2013/60670